लखनऊ

रविवार, 14 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 288

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सूरज खिलने का वक्त हो गया फूल खिलने का वक्त हो गया मीठी नींद से जागो मेरे दोस्त सपने हकीकत में बदलने का वक्त हो गया।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

'चेले-चपाटों को समझाना चाहिए...', अखिलेश यादव की बेटी वाले मामले पर सीएम योगी पहली प्रतिक्रिया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। सीएम योगी ने कहा कि बेटी-बेटी होती है, बेटी का सम्मान होना चाहिए लेकिन अखिलेश यादव को अपने चेले-चपाटों को समझाना चाहिए कि वो अपनी भाषा पर संयम करें।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बात कहीं। उन्होंने कहा कि ₹बेटी-बेटी होती है। बेटी का सम्मान होना चाहिए, मैं पिछले दिनों देख रहा था, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ कुछ लोगों ने गलत टिप्पणियां की थी। जैसे मेरे संज्ञान में आया तो मैंने तत्काल पुलिस से कहा कि इसमें FIR दर्ज करवाओ। सीएम योगी ने कहा कि बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। बेटी-बेटी होती है और हम तो उस संस्कार में पले हैं, जहाँ कहा जाता है 'गांव की बेटी सबकी बेटी' 'गांव की बहन सबकी बहन'.. हमने तो कोई भेदभाव नहीं किया लेकिन अखिलेश जी आप दूसरों को उपदेश देते हैं, अपने चेले-चपाटों को कह दीजिए कि अपनी भाषा का संयम करें।

दूसरों के प्रति टिप्पणी करने से पहले खुद सोचा करो- सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरों के प्रति टिप्पणी करने से पहले खुद सोचा करो कि उनके लोग बहन बेटियों, बुजुर्गों और दिवंगत नेताओं के प्रति वो कैसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। अच्छा होगा उनको समझाओ और अगर नहीं समझ सकते तो हमारे हवाले कर दो हम उनके समझा देंगे।'

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर लगाया था आरोप

इससे पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी बेटी अदिति पर की जा अभद्र टिप्पणियों को लेकर बिना नाम लिए बीजेपी और सीएम योगी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि 'ये इसलिए हमला हो रहा है क्योंकि जो दो लोग ऊपर बैठे हैं उनका अपना कोई परिवार वहीं नहीं। परिवार वाले ही परिवार वालों का दुख-दर्द समझ सकते हैं। जो कुर्सी पर बैठे है, उन्हें परिवार वालों की कोई चिंता नहीं है।' बता दें कि सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी को लेकर 10 जून को सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियां की गईं। यहीं नहीं चोरी तक की बात कही। जिसके बाद से ही इस मुद्दे को लेकर बवाल हो गया। सपा कार्यकर्ताओं में इसके खिलाफ जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा हैं।

'कोई जब्ती नहीं, 100% बदले की भावना', अभिषेक बनर्जी के घर छापेमारी को लेकर टीएमसी ने बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के घर पर सुबह-सुबह हुई छापेमारी से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। टीएमसी ने सत्ताधारी बीजेपी पर राजनीतिक बदले की भावना से काम करने का आरोप लगाया है। तृणमूल की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि 90 मिनट की तलाशी में कुछ भी बरामद नहीं हुआ।

बीजेपी की मुखर आलोचक मोइत्रा ने तलाशी अभियान के बारे में कोलकाता पुलिस का एक नोट दिखाते हुए एक्स पर लिखा, 'तो कोलकाता पुलिस सुबह 3 बजे अभिषेक बनर्जी के घर पहुंचती है, दरवाजा तोड़ती है और 90 मिनट तक तलाशी लेती है, लेकिन कुछ नहीं मिलता। जीरो बरामदगी, 100% बदले की भावना। बीजेपी सब कुछ आजमाएगी। डराने-धमकाने और पैसे से आप 2029 में नहीं जीत पाएंगे।' घोष ने एक्स पर पोस्ट किया, 'शनिवार, 13 जून की सुबह 3 बजे। पुलिस कोलकाता में अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर पहुंची। सुबह 5 बजे ताले तोड़ने के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट टीम को बुलाया गया। सुबह 6:30 बजे तलाशी शुरू हुई, जो दूसरी मंजिल से लेकर छत तक चली और 90 मिनट तक जारी रही। नतीजा? जब्ती रिपोर्ट में कुछ नहीं मिला। कोई सबूत नहीं। कोई गड़बड़ी नहीं। कुछ भी नहीं।'

संक्षेप

कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ की देशव्यापी अभियान की घोषणा, 17 जून से होगी शुरुआत

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने जानकारी दी कि कांग्रेस 17 जून को राजस्थान के कोटा से इसकी शुरुआत करेगी। केसी वेणुगोपाल ने अपने बयान में कहा, 'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और सरकार की ओर से भारत के युवाओं के साथ लगातार हो रहे धोखे के बढ़ते संकट के खिलाफ एक देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है।' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत के छात्रों और युवाओं के लिए सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। वे छात्रों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाने के लिए बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला आयोजित करेंगे। इसकी शुरुआत कोटा (17 जून), इलाहाबाद (10 जुलाई), पटना (11 जुलाई) और दिल्ली (14 जुलाई) से होगी। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को उजागर करेगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है। वेणुगोपाल ने कहा कि देशव्यापी अभियान के तहत, पार्टी देशभर में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, पीसीसी, डीसीसी और स्थानीय इकाइयों के माध्यम से बड़े पैमाने पर छात्रों तक पहुंचकर राहुल गांधी के आह्वान को दोहराएगी। फिजिकल और डिजिटल निमंत्रण, कैंपस में संपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों पर बातचीत, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों के साथ सीधे संवाद का काम बड़े पैमाने पर किया जाएगा।

दुबई सड़क हादसे के पीड़ित परिवारों की मदद करेंगे बिजनेसमैन डॉ. शमशीर वयालिल, 2.6 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का किया ऐलान

दुबई, एजेंसी। भारतीय बिजनेसमैन डॉ। शमशीर वयालिल ने दुबई सड़क हादसे से प्रभावित परिवारों के लिए 2.6 करोड़ के मानवीय राहत कार्यक्रम की घोषणा की। इस मदद से एमिरेट्स रोड हादसे में मारे गए सात कर्मचारियों और घायल हुए नौ लोगों के परिवारों को सहायता मिलेगी। इसमें इमरजेंसी यात्रा, रहने की व्यवस्था और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में मदद शामिल है। एनआरआई उद्यमी, समाजसेवी और बुर्जील होल्डिंग्स के चेयरमैन और सीईओ डॉ। शमशीर वयालिल ने पीड़ितों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। ये मदद हादसे से प्रभावित सभी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत, मारे गए सात लोगों के परिवारों को 26 लाख प्रति परिवार दिए जाएंगे, जबकि घायल हुए नौ लोगों की मेडिकल और ठीक होने की जरूरतों के आधार पर मदद के लिए 47 लाख आवंटित किए गए हैं। इस पैकेज में परिवार के सदस्यों के लिए इमरजेंसी यात्रा और रहने की व्यवस्था के लिए 18 लाख और प्रभावित परिवारों के बच्चों की पढ़ाई में मदद के लिए 13 लाख भी शामिल हैं।

'अब युद्ध का चेहरा बदल चुका'; वायुसेना के नए योद्धाओं को रक्षा मंत्री ने दिया AAA का मंत्र

हैदराबाद, एजेंसी। आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप और नई तकनीकों से पैदा हो रही चुनौतियों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायुसेना के नए अधिकारियों को भविष्य के युद्ध के लिए तैयार रहने का संदेश दिया है। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित एयर फोर्स अकादमी में 217वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए उन्होंने कैडेट्स को 'एडाप्ट, अडॉप्ट और अमेंड' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आज की लड़ाइयां केवल सैनिकों और हथियारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ड्रोन, सैटेलाइट, सेंसर, रोबोटिक्स और साइबर तकनीकें युद्ध का स्वरूप बदल रही हैं।

क्या कहा राजनाथ सिंह ने नए कैडेट्स से?

रक्षा मंत्री ने प्रशिक्षण पूरा करने वाले कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण समाप्त हुआ है, लेकिन असली जिम्मेदारी अब शुरू होने जा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना हमेशा देश की सुरक्षा की ढाल और तलवार दोनों रही है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालें, नई तकनीकों को अपनाएं और जरूरत पड़ने पर अपनी रणनीतियों में बदलाव भी करें। उन्होंने यह भी कहा कि केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि स्मार्ट वर्क और नवाचार भी भविष्य की सफलता की कुंजी होंगे।

भारतीय वायुसेना के इतिहास का क्यों किया उल्लेख?

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में भारतीय वायुसेना की ऐतिहासिक भूमिका को भी याद किया। उन्होंने कहा कि 1947-48 के कश्मीर युद्ध के दौरान श्रीनगर एयरलिफ्ट ने युद्ध की दिशा बदल दी थी। वहीं 1971 के युद्ध में ढाका पर निर्णायक हवाई हमलों ने इतिहास रच दिया था। उन्होंने कहा कि आज के कैडेट्स उसी गौरवशाली परंपरा का हिस्सा बनने जा रहे हैं। यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का एक बड़ा दायित्व है, जिसे वायुसेना ने हर चुनौती के समय निभाया है।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र क्यों महत्वपूर्ण रहा?

रक्षा मंत्री ने हालिया ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना ने इस अभियान में स्पष्ट रणनीति और सटीक कार्रवाई का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने में वायुसेना की भूमिका बेहद प्रभावी रही। राजनाथ सिंह ने बताया कि इस सफलता के पीछे केवल स्वदेशी रक्षा प्लेटफॉर्म ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षित, साहसी और अनुशासित वायुसेना अधिकारियों का भी महत्वपूर्ण योगदान था।

ईडी ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह के दो पूर्व अधिकारियों को किया गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने गौतम भईलाल दोषी को 18 जून तक 5 दिन की ED कस्टडी में भेज दिया। उन्हें रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ़्तार किया गया है। दोषी रिलायंस टेलीकॉम के पूर्व डायरेक्टर हैं। उन्हें सुबह करीब 8 बजे वेकेशन जज के घर पर पेश किया गया। वेकेशन जज गौरव राव ने ईडी और आरोपी के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद गौतम भईलाल दोषी को 5 दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया। वे रिलायंस एडीए ग्रुप के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर में से एक थे और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के डायरेक्टर भी थे। आरोपी को जज के सामने पेश करने के बाद, ED ने आरोपी की 14 दिन की कस्टडी रिमांड की मांग करते हुए एक अर्ज़ी दाखिल की।

असम के जोरहाट में भारतीय वायुसेना का प्लेन क्रैश, 5 जवान शहीद, जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के जोरहाट जिले में शनिवार (13 जून, 2026) को भारतीय वायुसेना का एक परिवहन विमान लैंडिंग के समय क्रैश हो गया। इस हादसे में एयरफोर्स के पांच जवान शहीद हो गए। भारतीय वायुसेना ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

यह घटना तब हुई जब 43 स्क्वाड्रन का AN-32 एयरक्राफ्ट रोवरिया क्षेत्र स्थित वायुसेना स्टेशन में लैंड कर रहा था। इस प्लेन में सामान लदा हुआ था। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि प्लेन क्रैश होने के बाद दो टुकड़ों में बंट गया है और उसके बाद उसमें आग भी लग गई थी।

IAF ने बताया कि इस हादसे में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर खेमाराम कुमावत और अग्निवीर दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में IAF मजबूती से उनके परिजनों के साथ खड़ी है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि असम के जोरहाट में AN-32 हादसे में 5 एयर वॉरियर्स के निधन से गहरा दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके परिजनों के साथ खड़ा है। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में को-पायलट की जान बच गई और वर्तमान में उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद भारतीय वायु सेना ने इसके कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच समिति गठित करने का आदेश दिया। असम के ऊपरी इलाके में स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण एयरपोर्ट के परिसर में AN-32 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जाता है कि दुर्घटना के समय विमान अरुणाचल प्रदेश से जोरहाट जा रहा था।

रूसी ट्विन इंजन वाला एयरक्राफ्ट है AN-32

सोवियत मूल का AN-32 एक ट्विन-इंजन वाला टैक्टिकल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट है, जो दशकों से वायु सेना के लिए एक अहम विमान रहा है, खासकर मुश्किल इलाकों और उत्तर-पूर्व व हिमालयी सीमा के ऊंचे इलाकों में।

यूपी में 21 साल का 'नकली ब्रिगेडियर' अरेस्ट, साथ में थे फेक एनएसजी कमांडो, आर्मी ने दबोचा

आर्यावर्त क्रांति

शाहजहाँपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले में, स्टेशन हेडक्वार्टर शाहजहाँपुर और स्थानीय पूर्व सैनिकों के एक गुप्त ऑपरेशन के दौरान, भारतीय सेना के ब्रिगेडियर का रूप धरने वाले 21 साल के एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया गया। आरोपी ब्रिगेडियर की वर्दी में था और उसके साथ कुछ साथी भी थे जो सुरक्षाकर्मी होने का नाटक कर रहे थे; इसके बाद स्थानीय पुलिस ने मामले की आगे जांच शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, यह ऑपरेशन 12 जून को चलाया गया था। इससे पहले दो महीनों तक शाहजहाँपुर और आस-पास के इलाकों में एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने-फिरने की खुफिया जानकारी मिली थी, जो खुद को सेना का अधिकारी बता रहा था। सेना ने कहा कि बार-बार मिल रही रिपोर्टों से एक ऐसे व्यक्ति को लेकर चिंता पैदा हुई है जो खुद को सेना का उच्च-पदस्थ अधिकारी बता रहा है।

जानकारी मिलने पर, शाहजहाँपुर स्टेशन हेडक्वार्टर के एडमिनिस्ट्रेटिव कमांडेंट कर्नल जेएस जगलान ने स्थानीय पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर संदिग्ध की पहचान की पुष्टि की और उसे गिरफ्तार करने के लिए एक ऑपरेशन की योजना बनाई। योजना के तहत, संदिग्ध को स्थानीय छात्रों को सम्मानित करने के बहाने शहीद संग्रहालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बुलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस व्यवस्था से उन्हें संदिग्ध को पहले से भनक लगे बिना उसकी पहचान की पुष्टि करने में मदद मिली। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर, उस व्यक्ति और उसके साथियों की पहचान की गई और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। संदिग्ध की पहचान 21 वर्षीय आर्यन वर्मा के रूप में हुई। अधिकारियों का आरोप है कि वह भारतीय सेना में ब्रिगेडियर की वर्दी पहनकर आया था और एक टाटा हैरियर गाड़ी में यात्रा कर रहा था, जिस पर वन-स्टार प्लेट और आर्मी हेडक्वार्टर का झंडा लगा हुआ था।

'डरपोक और एहसान-फरामोश लोग ही छोड़ रहे दल', टीएमसी के बागी विधायकों पर आदित्य ठाकरे का हमला

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने टीएमसी के बागी विधायकों पर हमला बोला। उन्होंने पार्टी के खिलाफ बगावत करने वालों को डरपोक करार दिया। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति कृतघ्न रहे लोग अब पार्टी छोड़ रहे हैं। ठाकरे, जिनकी अपनी पार्टी महाराष्ट्र में 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुए विद्रोह के बाद विभाजित हो गई थी। उन्होंने शुक्रवार को टीएमसी के बागी नेताओं पर आरोप लगाया कि वह पार्टी और बनर्जी द्वारा उनके लिए किए गए कार्यों को स्वीकार करने में विफल रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली हार ने विधायकों और सांसदों के एक वर्ग द्वारा खुले विद्रोह को जन्म दिया है, जिनमें से कई ने पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के संगठनात्मक मामलों पर उनके बढ़ते प्रभाव पर सवाल उठाए हैं। सोमवार को, पार्टी की मुख्य सचेतक काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में 20 लोकसभा सांसदों के एक समूह ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का समर्थन करने वाले एक अलग गुट के रूप में मान्यता देने की मांग की, जिससे पार्टी के संसदीय खेमे में फूट पड़ गई। अब तक तीन राज्यसभा सांसदों ने भी इस्तीफा दे दिया है। पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुए हंगामे के बाद संसदीय विद्रोह हुआ, जहां टीएमसी के 80 विधायकों में से 58 ने पार्टी नेतृत्व से अलग होकर पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार शोवनदेब चट्टोपाध्याय के बजाय निष्कासित विधायक ऋतब्रता बनर्जी को विपक्ष के नेता के रूप में समर्थन दिया।

अमित शाह ने की सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा, बनाया गया अभेद्य सुरक्षा घेरा, घाटी से लेकर पहाड़ों तक हाई अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा को लेकर केंद्र सरकार इस बार पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। यात्रा के दौरान सुरक्षा, निगरानी और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक अहम समीक्षा बैठक हुई, जिसमें जम्मू-कश्मीर प्रशासन, केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और कई मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में साफ संदेश दिया गया कि यात्रा के दौरान सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर विभाग मिलकर समन्वय के साथ काम करेगा।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सभी सुरक्षा और नागरिक एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए कि विभागीय तालमेल में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। हम आपको बता दें कि इस बार यात्रा केवल पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आधुनिक तकनीक, त्वरित खुफिया समन्वय और जमीनी निगरानी के संयुक्त ढांचे पर आधारित होगी।

बैठक में सबसे अधिक जोर बहुस्तरीय अभेद्य सुरक्षा घेरा तैयार करने पर दिया गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय बलों, सेना और विशेष आतंकवाद विरोधी इकाइयों को एकीकृत अभियान प्रणाली के तहत काम करने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रा मार्गों, आधार शिविरों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बलों की तैनाती होगी। चौबीसों घंटे गश्त, कड़ी वाहन जांच और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई के लिए विशेष नियंत्रण प्रणाली विकसित की जा रही है। उद्देश्य साफ है कि किसी भी खतरे को जन्म लेने से पहले ही कुचल देना।

तकनीकी निगरानी इस बार सुरक्षा रणनीति का सबसे मजबूत स्तंभ बनने जा रही है। यात्रा मार्गों और शिविरों पर व्यापक स्तर पर कैमरा नेटवर्क लगाया जाएगा। ड्रोन के जरिये ऊंचाई वाले कठिन इलाकों, संकरे मार्गों और संवेदनशील बिंदुओं पर लगातार नजर रखी जाएगी। नियंत्रण कक्षों को लाइव वीडियो फीड मिलेगी, जिससे किसी भी संदिग्ध हलचल या आपात स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। सुरक्षा एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सूचना साझा करने के लिए विशेष संचार प्रणाली भी स्थापित की जाएगी।

जमीनी जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे यात्रा मार्गों और प्रमुख शिविरों पर तैनात रहने का फैसला लिया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे देश के नए सेना प्रमुख, 30 जून को संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना के नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना के अगले प्रमुख के रूप में नियुक्त करने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। रक्षा क्षेत्र में एक लंबा और शानदार अनुभव रखने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सेठ 30 जून से अपना नया कार्यभार ग्रहण करेंगे।

धीरज सेठ का कार्यकाल 31 अगस्त, 2028 तक होगा

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना का अगला प्रमुख नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। वह

जनरल के स्थायी रैंक के साथ 30 जून, 2026 को वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्थान लेंगे। बयान में यह भी स्पष्ट किया गया है कि नए सेना प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ का कार्यकाल 31 अगस्त, 2028 तक होगा। जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कार्यकाल जून 2026 तक निर्धारित है। उन्होंने 30 जून 2024 को भारतीय सेना के प्रमुख (आर्मी चीफ) के रूप में पदभार संभाला था। नियमों के अनुसार, आर्मी चीफ का कार्यकाल तीन वर्ष या 62 वर्ष की आयु- इन दोनों में से जो भी पहले पूरा हो, तक ही सीमित होता है।

छात्र बना कातिल: पुलिस को देखकर डर गया आरोपी, बोला- लवकुश मुझे गालियां देता था, इसलिए मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली। चंदौली जिले के गांव प्रतापपुर के आदर्श इंटर कॉलेज में एक्स्ट्रा क्लास के दौरान सहपाठी ने 10वीं के छात्र लवकुश यादव (17) के सीने में चाकू से चार बार वार कर हत्या कर दी। पुलिस की पूछताछ में आरोपी छात्र ने बताया कि लवकुश उसे दुबला-पतला कहकर चिढ़ाता था। कुछ दिन पहले इसी बात पर दोनों के बीच हाथापाई हुई थी। इसके बाद से वह बदला लेने की फिराक में था। एएसपी अनंत चंद्रखेशर के मुताबिक, कक्षा में लवकुश की हत्या के बाद पुलिस को देखकर बाल अपचारी डर गया। पुलिस को सबकुछ बताने लगा। बताया कि लवकुश उसे काफी दिनों से गालियां दे रहा था। उसने काफी दिनों तक बर्दाश्त किया। चार दिन पहले फिर गाली दी तो उसने कहा कि मैं चाकू से मार दूंगा। इस पर लवकुश ने गाली देते हुए कहा कि जो करना है कर ले। उसके बाद इसने घटना को अंजाम दिया। पुलिस की अभिरक्षा में छात्र पूरे दिन सामान्य रहा।

माता-पिता गए थे अयोध्या

जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर चंदौली कोतवाली क्षेत्र के गांव प्रतापपुर निवासी बबलू यादव एक निजी कंपनी में चालक हैं। उनका बेटा लवकुश यादव गांव के आदर्श इंटर कॉलेज में हाईस्कूल का छात्र था। स्कूल की तरफ से गणित की एक्स्ट्रा क्लास (अतिरिक्त कक्षा) कराई जा रही थी। इसमें लवकुश भी पढ़ रहा था। बृहस्पतिवार को बबलू यादव और उनकी पत्नी विमला अयोध्या दर्शन-पूजन के लिए गए थे।

मोबाइल फोन और वीडियो गेम से बच्चों में बढ़ रहा गुस्सा

नई पीढ़ी के बच्चे मोबाइल फोन और वीडियो गेम के माध्यम से सब कुछ देख रहे हैं। उनका मानसिक विकास इतना नहीं होता कि वे सही गलत का फर्क कर सकें। हिंसात्मक वीडियो देखने के बाद उनकी मनोवृत्ति बदल जाती है। किशोरों को हीरो बनने की लत हो गई है। क्रोध और आवेग में किशोर हिंसा कर रहे हैं। परिवार वालों को बच्चों की मानसिक और व्यावहारिक गतिविधियों पर नजर रखें और उनको समय दें।

-डॉ. नितेश सिंह, वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक, बाबा कीनाराम मेडिकल कॉलेज

आरोपी ने ऐसे दिया वारदात को अंजाम

शुक्रवार की सुबह लवकुश क्लास करने गया था। वह कक्षा में आगे वाली सीट पर बैठा था। ठीक पीछे बैठा सहपाठी अचानक उठकर लवकुश के पास पहुंचा और चाकू से लवकुश के सीने में ताबड़तोड़ चार वार कर दिए। इससे लवकुश लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। यह देखकर अन्य छात्रों में चीख-पुकार मच गई। आरोपी चाकू लेकर वहीं खड़ा रहा। शिक्षकों ने घायल लवकुश को अस्पताल पहुंचाया, यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद लवकुश के परिवार में कोहराम मचा है।

नदी किनारे हरे पेड़ों की कटाई कर लकड़ी ले जाने का आरोप

» वन विभाग की निष्क्रियता पर उठे सवाल

आर्यावर्त संवाददाता

दोस्तपुर/सुल्तानपुर। ग्राम खालिसपुर दुर्गा में नदी किनारे हरे पेड़ों की कटाई को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की कथित मिलीभगत से हरे पेड़ों का सौदा कर कटान कराया गया और पूरी लकड़ी मौके से उठा ली गई, जबकि सुबह से ही फॉरेस्टर, डीएफओ, उपजिलाधिकारी, जिलाधिकारी, पुलिस तथा डायल-112 सहित संबंधित अधिकारियों को मामले की सूचना दी गई थी। ग्रामीणों के अनुसार, शिकायत के बावजूद किसी भी जिम्मेदार विभाग ने समय रहते मौके पर पहुंचकर कार्रवाई नहीं की, जिससे कटान करने वाले बेखौफ होकर नदी किनारे के हरे पेड़ों को काटकर लकड़ी ले जाने में सफल रहे। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन और वन विभाग तत्काल संज्ञान लेते तो पेड़ों को बचाया जा सकता था। क्षेत्रीय लोगों ने आरोप लगाया कि नदी किनारे स्थित पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र में खुलेआम पेड़ों की कटाई होना विभागीय निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। ग्रामीणों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। अब देखना यह है कि शिकायतों के बावजूद हुई इस कथित अवैध कटाई के मामले में प्रशासन और वन विभाग क्या कार्रवाई करते हैं तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों पर कब तक कानून का शिकंजा कसता है।

लखीमपुर खीरी में रिश्ता तोड़ने पर युवती के पिता की हत्या, युवक ने घर में घुसकर चाकू से किए प्रहार

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के गोला थाना क्षेत्र में गांव शिवपुर सांडा निवासी सलीम (45 वर्ष) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। हमलावर ने घर में घुसकर सलीम पर चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार किए। लहूलुहान सलीम घर के बाहर निकला और सड़क पर गिर गया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने फूलबेहड़ के ग्राम हजरजपुर निवासी दानिश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दहेज की मांग पर टूटा था रिश्ता

परिजनों ने बताया कि सलीम की पुत्री जीनत का निकाह दानिश के साथ तय हुआ था। आरोप है कि दाशिन के परिवार ने दहेज की मांगी, जिसके चलते उसके साथ रिश्ता तोड़ दिया गया। इसके बाद सलीम ने जीनत का निकाह दूसरी जगह तय कर दिया, लेकिन दानिश और जीनत एक-दूसरे के संपर्क में बने रहे।

वारदात के बाद आरोपी भागा

आरोपी दानिश को इस बात का डर था कि सलीम के रहते हुए उसका निकाह जीनत के साथ नहीं हो पाएगा। इसी के चलते उसने बृहस्पतिवार को घर में घुसकर सलीम की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गया। सीओ महक शर्मा ने बताया कि पुलिस घटना की जांच कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

बरेली में रैगिंग से परेशान छात्र तीसरी मंजिल से कूदा, मेडिकल कॉलेज प्रशासन और चार डॉक्टरों पर रिपोर्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के भोजीपुरा स्थित निजी मेडिकल कॉलेज में एमडी मेडिसिन के छात्र बिजनौर निवासी डॉ. आशु पाराशर की आत्महत्या की कोशिश के मामले में कॉलेज प्रशासन और चार प्रशिक्षु डॉक्टरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि रैगिंग और मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर डॉ. आशु ने दो मई को कॉलेज की तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर जान देने की कोशिश की थी। इससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। अब भी उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

बिजनौर के कीरतपुर इलाके के निवासी सुधीर पाराशर ने भोजीपुरा थाना प्रभारी केबी सिंह को तहरीर देकर बताया कि उनके बेटे डॉ. आशु पाराशर को एमडी में दाखिले के कुछ दिन बाद से ही परेशान किया जा रहा था। एमडी द्वितीय और तृतीय वर्ष के कुछ छात्र आशु से अभद्रता, गाली-गलौज कर उसे अपमानित करते थे। उसे भोजन करने से रोका जाता था और ड्यूटी के बाद भी जबरन रोक लिया जाता था। आशु से निजी कार्य कराए जाते थे। देर रात और रविवार को भी जबरन ड्यूटी पर बुलाया जाता था। उससे लगातार 40 घंटे तक ड्यूटी कराई जाती थी और सोने भी नहीं दिया जाता था।

आशु ने विभागाध्यक्ष स्मिता गुप्ता को अपनी परेशानी बताई। उन्होंने उसे रोहित शर्मा के पास भेजा, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद आशु के कुछ ठीक होने पर उसने अपने पिता को यह बात बताई। पिता ने पांच मई को कॉलेज के प्राचार्य और प्रबंधन को भी डाक से पंजीकृत पत्र भेजकर मामले की सूचना दी, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इन पर लगाए आरोप

रिपोर्ट में रितेश गोयल, कुशाग्र शर्मा, मानस खंडेलवाल और लतिका को नामजद किया गया है। ये सभी एमडी द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्र हैं। इनके अलावा कुछ अन्य छात्रों और कॉलेज प्रशासन पर भी आरोप लगाए गए हैं। सुधीर पाराशर का आरोप है कि कॉलेज ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी आईए खान ने घटना के दिन सुधीर पाराशर को सूचित किया था। आशु पाराशर का 13 मई को सीएचसी नजीबाबाद में मेडिकल परीक्षण कराया गया। उसे सीटी स्कैन और अन्य जांचों के लिए बिजनौर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

कमेटी ने दी रिपोर्ट, छुट्टी न मिलने से तनाव में था आशु

सुधीर पाराशर ने 15 मई को भोजीपुरा थाना प्रभारी को तहरीर देकर कार्रवाई का अनुरोध किया था। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से भी शिकायत की। तब डीएम ने एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी। इसमें एसपी सिटी मानुष पारीक, एसडीएम सदर प्रमोद कुमार व तहसीलदार सदर शामिल थे। कमेटी ने विभिन्न बिंदुओं पर जांच की। जांच कमेटी के मुताबिक, छुट्टी और काम के घंटों में राहत नहीं मिलने से छात्र तनाव में था। कई बार उसने अस्पताल प्रशासन से लिखित व मौखिक रूप से इसकी शिकायत भी की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे आहत होकर उसने जान देने की कोशिश की। रैगिंग के आरोप पर छात्र, उसके परिजनों व दोस्तों के बयान दर्ज किए गए लेकिन आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी है। जांच कमेटी की संस्तुति पर ही भोजीपुरा थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

कॉलेज प्रशासन ने साधी चुप्पी

मामले में कॉलेज प्रबंधन की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया। कॉलेज प्रशासन के मुताबिक, इस मामले में उन्हें कुछ नहीं कहना है। विवेचना में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान एक आवेदक ने इस मामले की शिकायत की थी। इस पर डीएम से पत्राचार किया गया, फिर एक संयुक्त कमेटी गठित कर प्रकरण की जांच कराई गई। जांच में प्राथमिक तौर पर आरोप सही पाए गए तो रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। विवेचना में जो स्थिति सामने आएगी, उसके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

करौंदी कलां के समाधान दिवस में 12 शिकायतें आईं, 4 का मौके पर निस्तारण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। करौंदी कलां क्षेत्र में आयोजित समाधान दिवस में शनिवार को अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 12 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि बाकी मामलों में जांच के आदेश दिए गए।

समाधान दिवस में थाना अध्यक्ष अश्वनी कुमार, राजबहादुर यादव राजस्व निरीक्षक, लेखपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को ध्यान से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है, जिससे लोगों को अपनी शिकायत सीधे प्रशासन के सामने रखने का मौका मिलता है।

आजमगढ़ में चार लोगों की मौत : नेशनल हाईवे पर ट्रेलर से टकराई कार, एक की हालत गंभीर, वाहन में फंसा आधा शरीर

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली क्षेत्र के कस्बा बाजार के पास बरडीहा मोड़ स्थित आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार आर्टिका कार के सामने चल रहे ट्रेलर से टकराने के कारण चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतकों में डाल्टनगंज छोटी मस्जिद के सामने स्थित किताब घर के संचालक हाफिज रज्जाक, जनता मेडिकल से जुड़े कैश अंकल, सब्जी मंडी के व्यवसायी शोहराब राईन तथा वाहन चालक शामिल हैं। सभी श्रद्धालु किछौछा शरीफ से जियारत कर अपने घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आर्टिका कार तेज गति से वाराणसी की ओर जा रही थी। इसी दौरान बरडीहा मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई। हादसे में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक युवक की अस्पताल में मौत हो गई।

दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने अपना नाम अजमल आलम पुत्र लाल मोहम्मद बताया। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और उसे क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता दी। वहीं, कार चालक का आधा शरीर वाहन में फंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका।

सूचना मिलते ही देवगांव पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों और मृतकों को संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय लालगंज भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बाद में उपचार के दौरान एक अन्य घायल की भी मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई।

खबर लिखे जाने तक पुलिस मृतकों की शिनाख्त कराने के साथ ही हादसे के कारणों की जांच कर रही थी। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया।

जिला बदर अपराधी गुफरान के घर पुलिस ने पीटी डुगडुगी, चस्पा किया नोटिस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिला बदर घोषित किए गए शातिर अपराधी गुफरान अहमद पुत्र शब्बीर अहमद निवासी खण्डौरा, थाना कादीपुर के घर पुलिस ने पहुंचकर डुगडुगी पिटवाकर न्यायालय के आदेश का सार्वजनिक ऐलान कराया। इस दौरान पुलिस ने उसके आवास पर जिला बदर का नोटिस भी चस्पा किया तथा परिजनों को आदेश की जानकारी देकर आगाह किया। अपर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 की धारा 3(3) के तहत गुफरान अहमद को छह माह के लिए जनपद सुलतानपुर की सीमा से निष्कासित किया गया है। आदेश के अनुपालन में थाना कादीपुर पुलिस ने गांव में मुनादी कराते हुए लोगों को बताया कि जिला बदर अवधि के दौरान गुफरान का सुलतानपुर जनपद में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस ने परिजनों को बताया कि जिला बदर अवधि में गुफरान जिस भी जनपद में निवास करेगा, वहां के संबंधित थाने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए सूचना देना अनिवार्य होगा। साथ ही उसे अपने निवास और गतिविधियों की जानकारी स्थानीय पुलिस को उपलब्ध करानी होगी। पुलिस ने चेतावनी दी कि यदि जिला बदर आदेश का उल्लंघन कर गुफरान जनपद की सीमा में पाया गया या न्यायालय द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया गया, तो उसके विरुद्ध गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की संबंधित धाराओं में कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कादीपुर पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को अपराधियों के विरुद्ध प्रशासन की सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

टीबी मुक्त सुल्तानपुर की दिशा में बड़ा कदम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद को टीबी मुक्त बनाने के अभियान के अंतर्गत शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने पांच टीबी रोगियों को पोषण पोटली वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। पोषण पोटली प्राप्त करने वाले लाभार्थियों में बैजनाथ तिवारी, आदित्य तिवारी, आसाराम, शमा परवीन एवं जगप्रसाद शामिल रहे। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि टीबी की दवा के साथ-साथ पौष्टिक आहार का सेवन अत्यंत आवश्यक है। उचित पोषण मिलने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मरीज शीघ्र स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकते हैं। उन्होंने जनपदवासियों से टीबी के प्रति जागरूक रहने तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से सुल्तानपुर को टीबी मुक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य शैलेंद्र प्रताप सिंह, सदर विधायक राजबाबू उपाध्याय, जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक चारू निगम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारत भूषण, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. आर.के. कनौजिया, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लालजी सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। टीबी क्लीनिक के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक सुरेश कुमार एवं जुबेर ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने जनपद को टीबी मुक्त बनाने के संकल्प को दोहराते हुए इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

पृथ्वी पर जब बढ़ा पाप और अत्याचार, तब भगवान ने लिया अवतार-पं. राजकुमार शास्त्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय, सुल्तानपुर। बल्दीराय कस्बे स्थित प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित शिवमहापुराण कथा के दौरान कथा वाचक पं. राजकुमार शास्त्री ने श्रद्धालुओं को भगवान की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब पृथ्वी पर पाप, अधर्म और दैत्यों का अत्याचार बढ़ा है, तब-तब भगवान ने धर्म की स्थापना और सज्जनों की रक्षा के लिए अवतार लिया है।

उन्होंने कथा प्रसंग सुनाते हुए बताया कि एक समय पृथ्वी पर दैत्यों और अत्याचारियों का आतंक इतना बढ़ गया कि पृथ्वी माता दुखी होकर भगवान ब्रह्मा के पास पहुंचीं और अपने कष्टों का निवेदन किया। तब भगवान ब्रह्मा देवताओं को साथ लेकर भगवान विष्णु के पास गए। भगवान विष्णु ने आश्वासन दिया कि वे पृथ्वी का भार कम करने तथा धर्म की रक्षा के लिए अवतार धारण करेंगे। पं. शास्त्री ने कहा कि शिवमहापुराण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान है। इसके श्रवण मात्र से मनुष्य के पाप नष्ट होते हैं, मानसिक शांति प्राप्त होती है तथा भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान शिव के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कथा के समापन पर मुख्य यजमान पूर्व प्रवक्ता जय बहादुर सिंह ने सपरिवार सहित व्यास गददी की आरती उतारी श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आरती में भाग लेकर सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

NEET में फेल हुआ तो बना 'सेना का ब्रिगेडियर'

शाहजहांपुर के अमन की कहानी, माता-पिता को धोखे में रखा, अब नहीं मिला पा रहा नजर

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। अमन ने माता पिता को भी धोखे में रखा। उन्हे बताया था कि उसका चयन सेना की मेडिकल कोर के लिए हो गया है। उसे वर्दी पहनने की अनुमति भी मिल गई है। उन लोगों ने भी उसकी बात पर यकीन कर लिया। गिरफ्तारी के बाद जब पिता अनिल वर्मा मिलने पहुंचे तो उनसे नजरें नहीं मिला पा रहा था।

उसके विरुद्ध उसके विरुद्ध नायब सूबेदार अमित कुमार ने धोखाधड़ी, जालसाजी से अभिलेख तैयार करने सहित विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपित को शनिवार को जेल भेजा जाएगा। तीन अन्य आरोपितों पर भी निगरानी रहेगी। शनिवार को आर्मी इंटेलीजेंस की पूछताछ के बाद अमन वर्मा को पुलिस को सौंप दिया गया। आर्यन ने पुलिस को बताया कि उसका सपना सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय में पढ़ने का था। नीट में फेल होने पर अपनी मां जो दिल की मरीज हैं उन्हें सांत्वना देने के लिए झूठ बोला कि वह सशस्त्र सुरक्षा बल में चिकित्सक बन गया है।

स्टेथोस्कोप भी किया बरामद

पुलिस ने कार, फर्जी पहचान पत्र, कैप, पिस्टल, चालक का पहचान पत्र बरामद किया है। इसके साथ ही विजिटिंग कार्ड, दो मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड, स्टेथोस्कोप व टैब भी मिला है।

साढ़े तीन लाख शिक्षक और कर्मचारियों को कैशलेस इलाज देने की प्रक्रिया शुरू, कर्मचारियों को देनी होगी डिटेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के शिक्षकों और शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारियों के लिए बड़ी सुविधा देने की तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार जल्द ही ₹मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना₹ शुरू करने जा रही है। योजना के तहत पात्र शिक्षकों, कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। इसके लिए बनाए गए ऑनलाइन पोर्टल का बीटा वर्जन फिलहाल परीक्षण के दौर से गुजर रहा है।

पात्र कर्मचारियों का डेटा एकत्र किया जा रहा

स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज़) की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि योजना के औपचारिक शुभारंभ से पहले विभाग पात्र कर्मचारियों का डेटा एकत्र करने और उसे त्रुटिरहित बनाने में जुटी है। पूर्व में कई मामलों में उपलब्ध कराए गए रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, आधार अथवा पारिवारिक विवरण में अंतर होने के कारण कार्ड जारी होने की प्रक्रिया प्रभावित होती थी। ऐसे मामलों में आवेदन लंबित रह जाते थे। इसी समस्या को दूर करने के लिए इस बार डेटा सैनेटाइजेशन पर विशेष जोर दिया गया है।

इलाज का खर्च निर्धारित सीमा तक सीधे योजना के माध्यम से वहन किया जाएगा

साचीज़ द्वारा विकसित डेटा कलेक्शन पोर्टल के माध्यम से कर्मचारियों और उनके आश्रितों का विवरण एकरूप प्रारूप में जुटाया जा रहा है। अब तक 3.5 लाख से अधिक पात्र कर्मचारियों का डेटा संकलित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि डेटा शुद्ध होने से कार्ड निर्गत करने की प्रक्रिया तेज होगी और अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल सकेगा। योजना के तहत जारी होने वाले मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड के माध्यम से लाभार्थी सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में उपचार करा सकेंगे। इलाज का खर्च निर्धारित सीमा तक सीधे योजना के माध्यम से वहन किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को गंभीर बीमारी या आकस्मिक चिकित्सा खर्च के समय आर्थिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ेगा।

साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि पोर्टल के परीक्षण के दौरान कार्ड निर्माण, लाभार्थी सत्यापन, अस्पतालों से समन्वय और अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं की जांच की जा रही है। परीक्षण सफल होने के बाद योजना का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। योगी सरकार का मानना है कि योजना लागू होने के बाद प्रदेश के लाखों शिक्षक, कर्मचारी और उनके परिवार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक आसानी से पहुंच बना सकेंगे तथा इलाज पर होने वाले बड़े खर्च से उन्हें राहत मिलेगी।

न्यायालय के गैर जमानती वारंट पर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा न्यायालय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। महिगवां पुलिस ने न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के अनुपालन में कार्रवाई करते हुए एक वांरटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।पुलिस के अनुसार 13 जून 2026 को उपनिरीक्षक अनुज कुमार गुप्ता अपनी टीम तथा पालीगान उर्दू-फारसी भाषा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ न्यायालय से प्राप्त गैर जमानती वारंट के अनुपालन में क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान वारंट वाद संख्या 169034/25 से संबंधित अभियुक्त अनिल गौतम को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अनिल गौतम पुत्र स्वर्गीय रामनाथ निवासी ग्राम नरहरपुर, थाना सैरपुर, लखनऊ के रूप में हुई है। अभियुक्त की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई गई है और वह मजदूरी का कार्य करता है। उसके विरुद्ध थाना महिगवां में दर्ज मुकदमा संख्या 71/2025 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 एवं 105 तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 3/181 के अंतर्गत मामला दर्ज है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार अभियुक्त न्यायालय में निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो रहा था, जिसके चलते उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और सभी आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय भेज दिया।पुलिस ने बताया कि न्यायालय द्वारा जारी वारंटों के निष्पादन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत फरार और वांछित अभियुक्तों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं बरामद किशोरी को सुरक्षा के दृष्टिगत महिला हेल्प डेस्क में रखा गया तथा बाल कल्याण अधिकारी को मामले की सूचना दी गई।पुलिस के अनुसार 18 मई 2026 को एक व्यक्ति द्वारा थाना मड़ियांव में प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की गई थी कि उसकी 16 वर्षीय बहन को जितेन्द्र यादव नामक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर थाना मड़ियांव में मुकदमा संख्या 230/2026 के तहत भारतीय न्याय

संहिता की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।मामले की विवेचना के दौरान 12 जून 2026 को किशोरी और नामजद आरोपी स्वयं थाना मड़ियांव पहुंचे। इस दौरान आवश्यक कार्रवाई के लिए एक प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने मुकदमे में नामजद आरोपी जितेन्द्र कुमार यादव पुत्र राम बहादुर निवासी पंडितपुरवा, थाना शारदानगर, जनपद खीरी को मुकदमे की जानकारी देते हुए नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। किशोरी को महिला हेल्प डेस्क कक्ष में महिला आरक्षी की निगरानी में रखा गया तथा आगे की कार्रवाई के लिए बाल कल्याण अधिकारी को सूचित किया गया।प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी ने किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का कार्य किया था। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है तथा किशोरी के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।गिरफ्तार आरोपी जितेन्द्र कुमार यादव की उम्र 22 वर्ष बताई गई है और वह पीओपी का कार्य करता है। पुलिस के अनुसार आरोपी का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है।

जर्जर बाउंड्री वॉल गिरने से छह वर्षीय मासूम की मौत, बुजुर्ग महिला घायल

लखनऊ। राजधानी के मदेयगंज थाना क्षेत्र स्थित भाण्डुटोला की पुरानी बांस मंडी में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक खाली प्लॉट की जर्जर बाउंड्री वॉल अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आकर छह वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।पुलिस के अनुसार 13 जून 2026 को सूचना प्राप्त हुई कि भाण्डुटोला क्षेत्र में स्थित एक खाली प्लॉट की पुरानी और जर्जर बाउंड्री वॉल अचानक गिर गई है। दीवार के मलबे के नीचे नाजों (लगभग 80 वर्ष) और जोया (6 वर्ष) दब गईं। सूचना मिलते ही थाना मदेयगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय नागरिकों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।काफी प्रयास के बाद दोनों को मलबे से बाहर निकाला गया।

लखनऊ जंक्शन पर गूंज रहा गीता का संदेश, 'गीता संवाद' प्रतिमा से यात्रियों को मिल रही कर्मयोग और सकारात्मकता की प्रेरणा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 'गीता संवाद' की भव्य प्रतिमा स्थापित की है। स्टेशन परिसर में कांच के विशेष कक्ष में स्थापित यह प्रतिमा महाभारत के उस ऐतिहासिक प्रसंग को जीवंत करती है, जब कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का अमर उपदेश दिया था। प्रतिमा के साथ गीता के प्रसिद्ध श्लोक 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का लगातार मंत्रोच्चार वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से भर रहा है।आधुनिक एलईडी प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित यह प्रतिमा दिन और रात दोनों समय यात्रियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है। स्टेशन पर

आने-जाने वाले हजारों यात्रियों के लिए यह केवल एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं, बल्कि भारतीय जीवन दर्शन और कर्मयोग का सशक्त संदेश बनकर उभरी है। प्रतिमा के माध्यम से यात्रियों को अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने, जीवन की चुनौतियों का धैर्यपूर्वक सामना करने तथा निरंतर कर्म करते रहने की प्रेरणा मिल रही है।मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने बताया कि रेलवे स्टेशन केवल यात्रियों की आवाजाही का केंद्र नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के प्रसार का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि गीता के उपदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने हजारों वर्ष पहले थे। 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का संदेश व्यक्ति को अपने कार्य के प्रति समर्पित रहने और परिणाम की चिंता किए बिना निरंतर प्रयास करने की सीख देता है। यही संदेश जीवन में सफलता और संतुलन का आधार बनता है।उन्होंने कहा कि स्टेशन पर स्थापित 'गीता संवाद' प्रतिमा यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों और आम नागरिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। विशेष रूप से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और गीता के जीवनोपयोगी संदेशों से परिचित कराने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों तथा विदेशों से आने वाले पर्यटक भी इस प्रतिमा के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक विचारधारा से परिचित हो सकेंगे।रेलवे प्रशासन का मानना है कि सार्वजनिक स्थलों पर इस प्रकार की सांस्कृतिक और प्रेरणादायी स्थापनाएं समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के साथ-साथ लोगों को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करती हैं।

जन्मदिन पार्टी के दौरान बार में विवाद के बाद युवक ने की हवाई फायरिंग, तीन साथी हिरासत में

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के थाना क्षेत्र अंतर्गत मिलेनियम सिटी के निकट स्थित एक बार एंड रेस्टोरेंट में जन्मदिन समारोह के दौरान हुए विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब एक युवक ने कथित रूप से अपनी लाइसेंसी अथवा अवैध असलहे से हवाई फायरिंग कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि फायरिंग की घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने मामले में तीन व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश में विशेष टीमें गठित की गई हैं।पुलिस के अनुसार 12 और 13 जून 2026 की मध्यरात्रि लगभग 12:26 बजे मिलेनियम सिटी के पास एक व्यक्ति

द्वारा हवाई फायरिंग किए जाने की सूचना दूरभाष के माध्यम से प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सौरभ सिंह चौहान निवासी सुशांडी, मोहनलालगंज अपने साथियों सुधांशु यादव, अमन यादव और विनायक यादव के साथ दो चारपहिया वाहनों से जन्नत बार एंड रेस्टोरेंट में जन्मदिन समारोह मनाने पहुंचे थे। इसी दौरान बार परिसर के भीतर स्थापित कंसोल पर बार-बार चढ़कर नृत्य करने का प्रयास किया गया, जिसे वहां मौजूद बाउंसरों ने रोक दिया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो धीरे-धीरे विवाद में बदल गई।प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जांच के अनुसार विवाद बढ़ने पर बार प्रबंधन और बाउंसरों ने संबंधित युवकों को परिसर से बाहर जाने के लिए कहा। आरोप है कि बाहर निकलने के दौरान सौरभ सिंह चौहान ने अपनी काले रंग की स्कॉर्पियो वाहन से असलहा निकाला और हवाई फायरिंग कर दी। फायरिंग की आवाज सुनते ही मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। आसपास मौजूद लोगों और पॉलीगान कर्मचारियों ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी वाहन सहित मौके से फरार हो गया।घटना के दौरान कुछ बाउंसरों को मामूली चोटें आने की भी सूचना है। पुलिस के मौके पर पहुंचने तक पॉलीगान कर्मचारियों ने आरोपी के तीन साथियों को पकड़कर रोक रखा था, जिन्हें बाद में पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस इनसे घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटा रही है।जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।पुलिस ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नकली नोट छापकर बाजार में खपाने वाले गिरोह का वांछित सदस्य गिरफ्तार, तीन साल से चल रही थी तलाश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी की मड़ियांव पुलिस और अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने नकली भारतीय मुद्रा तैयार कर बाजार में खपाने वाले गिरोह के एक वांछित सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वर्ष 2023 में दर्ज जाली नोटों के एक चर्चित मुकदमे में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। आरोपी पर अपने साथियों के साथ मिलकर नकली करेंसी तैयार करने और उसे बाजार में चलाकर आर्थिक लाभ अर्जित करने का आरोप है।पुलिस के अनुसार 28 मार्च 2023 को जाली नोटों की बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना मड़ियांव में मुकदमा संख्या 442/2023 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 489ए, 489बी, 489सी एवं 489डी के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। इस मुकदमे में विकास दूबे उर्फ अजय

कुमार दूबे सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। जांच के दौरान यह भी सामने आया था कि गिरोह में कई अन्य लोग शामिल हैं, जिनकी तलाश लगातार की जा रही थी।पुलिस अधिकारियों के अनुसार 12 जून 2026 को थाना मड़ियांव पुलिस टीम क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, वांछित अभियुक्तों की तलाश और नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान भिठौली तिराहे के पास पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली कि जाली नोट प्रकरण में वांछित चल रहा एक आरोपी आईआईएम तिराहे के निकट दुबग्गा जाने वाली सड़क पर मौजूद है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में ले लिया।पूछताछ के दौरान पकड़े गए व्यक्ति ने अपनी पहचान सुमित यादव उर्फ मोनू पुत्र सोने लाल निवासी ग्राम दरगवां, थाना अकबरपुर, जनपद कानपुर देहात के रूप में बताई।

दहेज उत्पीड़न और विवाहिता की मौत के मामले में पति, सास और ससुर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को लगातार प्रताड़ित किए जाने के आरोप सामने आए हैं। मामले में दर्ज मुकदमे के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर महिला एवं बाल सुरक्षा अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अमित कुमार आनंद के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर रजनीश वर्मा के मार्गदर्शन में गठित टीमों ने मामले की जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार 9 जून 2026 को अमीन पुत्र शौकत अली निवासी सुम्हारी खुर्द, धन्नीपुर, थाना पुरवा ने बंथरा थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री शालिमा बानो को उसके ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि 8 जून 2026 को दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी फांसी लगाकर हत्या कर दी।पीड़िता के पिता की तहरीर के आधार पर थाना बंथरा में पति इरसाद, ससुर रज्जाक अली, सास रहमुन, जेठ इशरार अली, जेठानी तथा अन्य परिजनों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

गरीब और असहाय किशोरियों को बहला-फुसलाकर राजस्थान में शादी के नाम पर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी की मोहनलालगंज पुलिस ने महिला एवं बाल सुरक्षा अभियान के तहत एक ऐसे संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो गरीब, असहाय और परिजनों से वंचित किशोरियों को बहला-फुसलाकर राजस्थान ले जाता था और वहां उनकी शादी कराकर मोटी रकम वसूलता था। इस सनसनीखेज मामले में पहले चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि की बालिकाओं को अपना निशाना बनाता था।पुलिस के अनुसार 12 मई 2026 को मोहनलालगंज क्षेत्र की निवासी कमलेशा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मृत पुत्री की दो बेटियां, जो उनके साथ रह रही थीं, अचानक लापता हो गई हैं। परिजनों

को आशंका थी कि दोनों किशोरियों को बहला-फुसलाकर कहीं ले जाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना मोहनलालगंज में मुकदमा दर्ज किया गया और पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर चार विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। एक टीम को सादे कपड़ों में भी लगाया गया ताकि बच्चों का जल्द पता लगाया जा सके।पुलिस ने जांच के दौरान करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों को जुटाया। मोबाइल फोन बंद होने के बावजूद पुलिस लगातार सुराग तलाशती रही। विवेचना के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि दोनों किशोरियों को एक बाल अपचारी और प्रिया पटेल नामक महिला अपने साथ लेकर गई थी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 18 मई 2026 को दोनों बालिकाओं को सकुशल बरामद कर लिया।पीड़िताओं के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि अनुराग यादव, प्रिया पटेल, मोहम्मद अख्तर और एक बाल अपचारी ने मिलकर दोनों किशोरियों को राजस्थान ले जाकर शादी के नाम पर बेचने की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्हें राजस्थान के कोटा क्षेत्र में रहने वाली सोनम और उसके पति भूपेन्द्र के पास ले जाया गया था, जो कथित रूप से पैसे लेकर लड़कियों की शादी कराने का काम करते थे।पुलिस ने इस मामले में 4 जून 2026 को अनुराग यादव, मोहम्मद अख्तर, प्रिया पटेल और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था।

फर्जी दस्तावेजों से बिजली कनेक्शन लेने के मामले में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। फर्जी दस्तावेजों से बिजली कनेक्शन लेने के मामले में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, दिल्ली से दबोचा गया शातिर आरोपी लखनऊ।गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने धोखाधड़ी, जालसाजी और कूटरचना के एक चर्चित मामले में वांछित चल रहे हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर एक अनरजिस्टर्ड प्लांट को रजिस्टर्ड दर्शाते हुए बिजली विभाग से कनेक्शन प्राप्त करने का आरोप है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने नई दिल्ली से गिरफ्तार कर लखनऊ लाकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।पुलिस के अनुसार 21 जनवरी 2026 को गोमतीनगर क्षेत्र निवासी वीरेन्द्र कुमार सिंह ने उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की थी कि कुछ लोगों ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत एक अनरजिस्टर्ड प्लांट को वैध और पंजीकृत दर्शाते हुए बिजली विभाग से महत्वपूर्ण तथ्य छिपाकर कूटरचित दस्तावेज तैयार किए तथा उनके आधार पर बिजली कनेक्शन हासिल कर उसका उपयोग किया। मामले की जांच के बाद गोमतीनगर विस्तार थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।विवेचना के दौरान पुलिस को पर्याप्त साक्ष्य मिले, जिसके आधार पर नामजद आरोपी तारा सिंह बिष्ट की गिरफ्तारी के प्रयास तेज किए गए। पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी राज्य से बाहर छिपा हुआ है। इसके बाद आवश्यक कानूनी अनुमति प्राप्त कर गोमतीनगर विस्तार पुलिस की टीम दिल्ली रवाना हुई।

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म, तेल समझौता संपन्न

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है।

हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया।

अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं।

दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है।

साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं। यही कारण है कि अब सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को भी पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से हटाने की तैयारी चल रही है। अमित शाह ने विश्वास जताया कि अगले वर्ष एक या दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से यह कानून हटाया जा सकता है। यह बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दशकों तक पूर्वोत्तर की पहचान उग्रवाद, सैन्य उपस्थिति और अस्थिरता से जुड़ी रही है। अब केंद्र सरकार यह संदेश देना चाहती है कि क्षेत्र संघर्ष से विकास की ओर बढ़ चुका है। रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता चीन और दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ी भारत की व्यापक नीति से भी मेल खाता है। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक केवल भौगोलिक सीमा माना जाता रहा, लेकिन अब उसे आर्थिक गलियारे, ऊर्जा केंद्र और संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, रेल, निवेश, पर्यटन और ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है।.

ब्लड बैंक का भरा रहे भंडार ताकि खून के अभाव में न टूटने पाए किसी के साँसों की डोर

"मानवता की एक बूँद, रक्तदान करें-जीवन बचाएं" थीम पर मनेगा दिवस

विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) पर विशेष

मुकेश कुमार शर्मा

18 साल से अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति जिसका वजन 50 किलोग्राम के करीब है, वह स्क्रीनिंग के बाद रक्तदान कर सकता है।

रक्त एक ऐसी चीज है, जिसे किसी लैब में निर्मित नहीं किया जा सकता है, जबकि रक्त की सबसे अधिक जरूरत आपात स्थितियों, शल्य क्रिया, कैंसर या गंभीर बीमारियों के मरीजों और प्रसव के दौरान पड़ती है। अस्पतालों के ब्लड बैंक की हरसम्भव कोशिश रहती है कि उनके यहाँ कभी कोई ऐसी स्थिति न आने पाए कि रक्त के अभाव में किसी के साँसों की डोर टूटने पाए। इसके लिए वह समय-समय पर लोगों को नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करते रहते हैं और जगह-जगह शिविर आयोजित करते हैं। इन प्रयासों का सिर्फ और सिर्फ एक ही मूल मकसद होता है आपात स्थितियों में लोगों के प्राणों की रक्षा करना। रक्तदान के प्रति समुदाय में जागरूकता की अलख जगाने और समय-समय पर रक्तदान के लिए निःस्वार्थ भाव से आगे आने वाले रक्तदाताओं के प्रति शुक्रिया अदा करने के लिए ही हर साल 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। इस साल इस खास दिवस की थीम "मानवता की एक बूँद, रक्तदान करें-जीवन बचाएं" तय की गयी है। इस दिवस को नोबेल पुरस्कार विजेता कार्ल लैंडस्टीनर की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, उन्होंने ही रक्त समूहों की खोज की थी।

18 साल से अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति जिसका वजन 50 किलोग्राम के करीब है, वह स्क्रीनिंग के बाद रक्तदान कर सकता है। जरूरी जांच-परख के बाद ही रक्त लिया जाता है ताकि गंभीर बीमारी से ग्रसित किसी व्यक्ति या संक्रमित का रक्त ब्लड बैंक तक न पहुँचने पाए। सर्दी, फ्लू, गले में खराश, बुखार, पेट की खराबी या किसी अन्य संक्रमण की स्थिति में वैसे भी लोगों को रक्तदान से बचना चाहिए। दान किये गए रक्त की हर यूनिट को लाल रक्त कोशिकाओं, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स सहित कई वर्गों में विभाजित किया जा सकता है। इस तरह एक व्यक्ति द्वारा दान किया गया रक्त कई लोगों के काम आ सकता है। शरीर में करीब पांच लीटर रक्त होता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति एक बार में करीब 450 मिली लीटर रक्तदान कर सकता है, जिसकी भरपाई शरीर 24 से 48 घंटे में खुद कर लेती है। एक बार रक्तदान कर देने वाला करीब आठ सप्ताह तक दोबारा रक्तदान नहीं कर सकता है। रक्त के अलग-अलग समूह होते हैं, जिनमें कुछ अति दुर्लभ किस्म के होते हैं, जिनके रक्तदाताओं की पहचान कर उनसे बराबर सम्पर्क में रहने की जरूरत होती है ताकि किसी विषम परिस्थिति में उनसे सम्पर्क कर रक्तदान की अपील की जा सके।

रक्तदान को लेकर समुदाय में तरह-तरह की भ्रांतियां भी मौजूद हैं, जिस कारण से लोग रक्तदान को आगे आने से कतराते हैं। आज के दिन उन्हीं भ्रांतियों को जड़ से ख़त्म करने की जरूरत है। लोगों में भ्रम है कि रक्तदान से कमजोरी आती है, जबकि ऐसा कतई नहीं है। स्वस्थ लोगों को ऐसी कोई समस्या नहीं होती, ज्यादा से ज्यादा किसी को मामूली चक्कर आ सकता है, इसीलिए रक्तदान के बाद थोड़ी देर आराम करने और तरल पदार्थ के सेवन की सलाह दी जाती है। कुछ लोग सोचते हैं कि एक बार उनके रक्तदान कर देने से क्या ही फर्क पड़ने वाला है, जबकि ब्लड की एक-एक बूँद बहुमूल्य है। इसलिए जब भी किसी को भी मौका मिले वह इस पुण्य का लाभ जरूर कमायें। लोगों को यह भी जानना चाहिए कि नियमित रूप से रक्तदान करने से हृदय से जुड़ी बीमारियों का जोखिम कम होता है और शरीर में नई ऊर्जा का संचार भी होता है।

आज के इस खास दिवस का मूल मकसद समाज में लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक और प्रेरित करना है ताकि किसी भी मुसीबत में फंसे अपने ही नहीं पराये को भी समय से सुरक्षित रक्त मिल सके और उनके प्राणों की रक्षा की जा सके। इस दिवस पर प्रण लेने की जरूरत है कि हम समय-समय पर रक्तदान कर महादानी बनने का गौरव हासिल करेंगे। इसके साथ ही आज उन महादानियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने और सम्मानित करने का भी दिन है जिनके दान की बदौलत हर साल न जाने कितने लोगों के प्राणों की रक्षा की जाती है, ताकि उनसे प्रेरित होकर अन्य लोग भी ख़ुशी-ख़ुशी रक्तदान के लिए आगे आयें। ब्लड बैंक में हर वक्त पर्याप्त मात्रा में रक्त का भण्डार सुनिश्चित किया जा सके।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

टिप्पणी

कीमत चुकानी पड़ रही

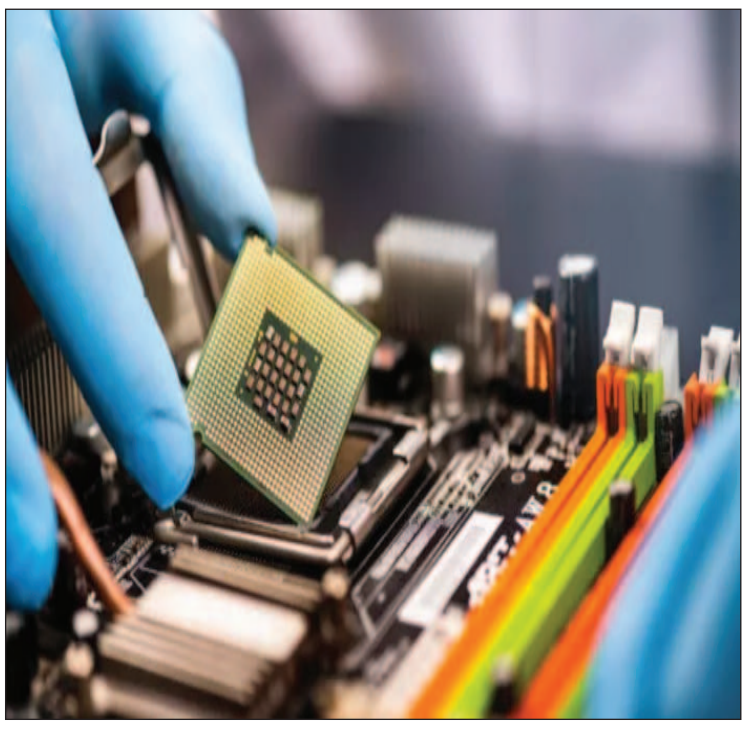

सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला अपने यहां स्थापित की। सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार भी हो।

दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग इस समय 'मेमफ्लेशन' की चुनौती का सामना कर रहा है। इस शब्द का अर्थ है मेमरी चिप्स की कमी के कारण बढ़ी महंगाई। मेमरी चिप्स की कीमत आसमान पर है, जिससे सेमीकंडक्टर महंगे हो गए हैं। इनका भारी असर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों- खासकर मोबाइल फोन के उत्पादन पर पड़ा है। भारत के लिए ये घटनाक्रम इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि मेक इन इंडिया और चाइना+1 रणनीति की कोई सफलता अपने देश में है, तो वह मोबाइल फोन की मैनुफैक्चरिंग (अथवा असेंबलिंग) है। हालिया वर्षों में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात तेजी से बढ़ा है। मगर साथ ही मोबाइल फोन के पाट-पुर्जों का आयात भी बढ़ा है, जो ज्यादातर चीन, दक्षिण कोरिया या ताइवान जैसे देशों से होता है। जो चीजें बाहर से आती हैं, उनमें मेमरी चिप्स भी हैं।

नतीजतन, ताजा ट्रेंड से भारत स्थित कारखानों की मुश्किलें बढ़ी हैं। एक अन्य खबर है कि अमेरिका में आयात शुल्क संबंधी जारी अनिश्चय के कारण भारत से सोलर मॉड्यूल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वर्ष की पहली तिमाही में सिर्फ एक को छोड़कर अमेरिका के लिए बाकी सभी भारतीय कंपनियों का निर्यात शून्य रहा। सोलर पैनल्स पर ट्रंप प्रशासन ने 230 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि भारतीय सौर उद्योग का अमेरिका प्रमुख बाजार है। तो सार यह कि जहां मोबाइल फोन उद्योग आयात निर्भरता के कारण पैदा हुई चुनौती झेल रहा है, वहीं सौर ऊर्जा उद्योग निर्यात निर्भरता संबंधी।

तो सबक क्या है? सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला अपने यहां स्थापित की। इसीलिए इंडस्ट्रीयल पार्कों को इतनी अहमियत दी जाती है। साथ ही सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार हो, जो भू-राजनीतिक एवं व्यापार जनित संकटों के समय संबंधित उद्योग का सहारा बना रहे। भारत में उद्यम के जो सफल क्षेत्र हैं, अब साफ है कि उनमें इन पहलुओं की उपेक्षा की गई। उन्हें अर्थव्यवस्था के समग्र विकास की सोच से इतर स्थापित किया गया। अब उसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

ब्लॉग

दुश्मन को परेशान करने वाला मिशन Z, कैसे इससे बदलेगा चीन-पाकिस्तान बॉर्डर का भूगोल

अभिनय आकाश

जिस जोजिला दर्रे को भारत ने 1948 की जंग के दौरान अपने कंट्रोल में लिया था वहां आज सबसे लंबी सुरंग का एक अहम पड़ाव पार कर दिया गया है। जोजिला टनल के दोनों सिरों को आज जोड़ दिया गया। लगभग 1000 से ज्यादा इंजीनियर और मजदूर बड़े विपरीत हालातों में इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में जुटे हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि जंग से जूझ रहे ईरान का भी एक इंजीनियर भारत के इस अहम प्रोजेक्ट का हिस्सा है। जिसका कहना है कि जॉर्जिला टनल का निर्माण भी किसी जंग से कम नहीं। एक धमाका हुआ और टनल के दोनों छोर एक दूसरे से जुड़ गए। देश के दो अहम सामरिक इलाके आपस में कनेक्ट हो गए। दुनिया के सबसे लंबी सिंगल ट्यूब सुरंग जोजिला टनल ने सबसे मुश्किल पड़ाव पार कर लिया है। विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा में एक नए मिल का पत्थर स्थापित हो चुका है।

कश्मीर और लद्दाख के बीच कनेक्टिविटी में अब खराब मौसम रुकावट नहीं बनेगा। भारत की सेना के लिए, भारत की स्ट्रेटेजिक जो रिक्वायरमेंट्स के लिए यह टनल काफी ही महत्वपूर्ण है। दुनिया में सबसे बड़ा, सबसे ऊंचा और सबसे अच्छा देश के कर्मवीरों का कीर्तिमान रंग ला रहा है और भारत विकास की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ता जा रहा है। जोजिला टनल ने कैसे विश्व के मानचित्र पर भारत की विकास की गाथा लिखी है। कश्मीर की खूबसूरत वादियों और लद्दाख की दूरी अब कम होने जा रही है। कारगिल, द्रास और लेह के वह समुदाय जो पीढ़ियों से मौसमी अलगाव को झेलते आए हैं। अब उनके लिए चमत्कार होने जा रहा है। यानी अच्छे दिनों की शुरुआत होने जा रही है। 9 जून का दिन इतिहास की तारीख में दर्ज हो गया है। कुछ ऐसा हुआ जिसने भारतीय इंजीनियरिंग पर गर्व करने का देशवासियों को मौका दिया और विकास की नई गाथा लिख दी गई है। 13.15 कि.मी. लंबी जोजिला टनल दुनिया की सबसे लंबी सिंगल ट्यूब हाई एल्टीट्यूड बाय डायरेक्शनल रोड टनल है जो कश्मीर और लद्दाख को जोड़ने जा रही है। श्रीनगर लेह नेशनल हाईवे भारी बर्फबारी और हिम्स खलन की वजह से सर्दियों के तीन महीनों के लिए पूरी तरह बंद हो जाता है। जिससे लद्दाख का संपर्क देश से कट जाता है। लेकिन इस ऑल वेदर सुरंग के पूरी तरह शुरू हो जाने के बाद कश्मीर घाटी और लद्दाख के बीच साल भर निर्बाध संपर्क हो सकेगा। इसके बनने से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि ज़ोजिला दर्रे को पार करने में जहां एक से डेढ़ घंटे का समय लगता था वो सफर अब महज 15 मिनट का रह जाएगा।

जोजिला टनल प्रोजेक्ट की शुरुआत 2020 में हुई थी और दोनों तरफ से खुदाई का काम शुरू किया गया था। यानी सोनमर्ग साइड से और मीनामार्ग जो कि कारगिल लद्दाख में पड़ता है और इसी ईस्ट पोर्टल पर हम इस समय मौजूद हैं। यह काफी अहम प्रोजेक्ट था मिनिस्ट्री ऑफ रोड एंड ट्रांसपोर्ट के लिए क्योंकि जम्मू कश्मीर को लद्दाख के साथ जोड़ने के लिए और हर समय हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए यह एकमात्र जरिया है जो जोजिला टर्नल प्रोजेक्ट है। दुनिया के सबसे दुर्गम इलाके में इस प्रोजेक्ट के लिए 1000 से ज्यादा मजदूरों ने 9 साल तक खुदाई की। इस इलाके का मौसम किसी सजा से कम नहीं। यहां तापमान -20 से -30 तक पहुंच जाता है। इस हाल में यहां मजदूर साल में करीब 100 दिन ही काम कर पाते थे। इसके बावजूद अप्रैल 2026 तक इस प्रोजेक्ट में 1 करोड़ से ज्यादा सुरक्षित मैनार्स दर्ज किए गए जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। खासकर भारत के इतने कठिन इलाके में ऐसा पहली बार हुआ है जो कि देश के लिए गर्व करने का मौका देता है।

हमने अह पिछले कई वर्षों में देखा कि किस तरह से आम लोगों को सेना को और कई लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती थी। क्योंकि जोजिला जो दर है वो विश्व का सबसे ऊंचा मोटरेबल दर है और वो बर्फबारी की वजह से कई महीनों तक बंद रहता था। यानी 6 महीने लगभग जोजिला पास बंद रहता था और उस समय लोगों को काफी दिक्कत आती थी। आप भी इस समय देख सकते हैं कि किस तरह का वातावरण यहां पे है। आज भी पहाड़ी चोटियां जो हैं वो बर्फ से ढकी हुई हैं और उसके साथ-साथ कठिन परिस्थितियों में इस प्रोजेक्ट को एग्जीक्यूट किया गया। अह हजारों की तादाद में इसमें लेबर्स जो है वह इनवॉल्व थे। मिशनरी और हाईएस्ट टेक्नोलॉजी जो है वो इसका इस्तेमाल यहां पर किया गया और खासतौर पर जो ऑस्ट्रेलियन टनलिंग मेथड है उसका प्रयोग करके इस टनल की खुदाई की गई है और इस प्रोजेक्ट को जो है धीरे-धीरे कंप्लीट किया जा रहा है।

13.15 कि.मी. लंबी मुख्य टनल ऐसी चट्टानों से होकर गुजरती है जिनका स्वरूप 65 से ज्यादा बार बदला। चट्टान और बर्फ से बदलते भूगोल के चलते इंजीनियरों को लगातार अपनी रणनीति में बदलाव लाना पड़ा। इंजीनियरों ने एनएटीएम यानी न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का इस्तेमाल किया जिसमें खुदाई और सपोर्ट की रणनीति को शॉर्टक्रेट और रॉक बोल्ट्स के जरिए मौके पर ही बदला गया। यह तरीका हिमालय टनल प्रोजेक्ट्स में लोकप्रिय हो रहा है। लेकिन इतनी ऊंचाई और इतने बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल पहली बार हुआ है। यकीनन यह राष्ट्र के लिए गर्व करने का विषय है। इस टनल की खासियत यह है कि इसमें अलग से कोई एस्केप टनल नहीं है। इसलिए इंजीनियरों ने वेंटिलेशन और इमरजेंसी निकासी के लिए तीन बड़े वर्टिकल शाफ्ट बनाए हैं। सबसे बड़ा शाफ्ट पश्चिमी छोर पर है और पहाड़ के अंदर 474.3 मीटर गहरा है जो भारत का सबसे गहरा वर्टिकल शाफ्ट है। दूसरा 367.38 मीटर और तीसरा 213.5 मीटर गहरा है। इस टनल को बनाने के दौरान कई बार कुदरत के कहर का सामना करना पड़ा। पांच बड़ी अवलांस की घटनाएं पिछले 5 साल में प्रोजेक्ट साइट पर हुई। हर बार लगा कि प्रोजेक्ट फंस जाएगा लेकिन देश के कर्मवीरों ने हिम्मत नहीं हारी और हर बार उम्मीद की नई किरण जगी और फिर से काम शुरू हुआ।

एक बहुत बड़ा निवेश था जिससे ना सिर्फ जम्मू कश्मीर और लद्दाख की कनेक्टिविटी आपस में बढ़ेगी बल्कि इस प्रोजेक्ट की वजह से सेना को सबसे ज्यादा जो है वो लाभ मिलेगा और स्ट्रेटेजिकली भारतीय सेना किसी भी समय जो है अब मूव कर सकती हैं और बिना किसी जो है दिक्कत के क्योंकि लगातार हमने देखा कि कारगिल युद्ध में जोजिला दर बंद होने की वजह से किस तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा लेकिन अब धीरे-धीरे वो तमाम कठिनाइयां दूर होंगी और जो चाइना के साथ लगने वाली सीमा है वो देश के और ज्यादा करीब हो गई है। कई महीने देश से कटे रहने वाला लद्दाख अब महीने देश से जुड़ा रहेगा। 4 से 5 साल की अथक मेहनत के बाद अब लद्दाख और जम्मू कश्मीर के लोगों का सपना साकार होने जा रहा है। देश की सेना के लिए यह बहुत बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके थ्रू वो पूरा इधर-उधर जा सकते हैं। लद्दाख की की तरफ से जा सकते हैं और आपका बालटाल की तरफ से ये टनल जहां से आउट होती है अगर आप लद्दाख से आए तो हमारी कंट्री को सेफ्टी के लिए सिक्योरिटी के लिए हमारी आर्मी हमारी डिफेंस के लिए ये बहुत ही अच्छी बहुत ही एक तरह से वरदान साबित हो रही है और लद्दाख के लोग भी बहुत खुश हैं क्योंकि वो इसके थ्रू बिल्कुल कनेक्ट रह सकते हैं। कश्मीर से अब उनको छ महीने बंद रहने की जरूरत नहीं है। वो 12 महीने तक आवाजावी उनकी रह सकती है। और जहां तक मैं बात करूं इस टनल को बन के आने के लिए इसमें चार से पांच साल हमें लग गए हैं। जोजिला टनल की शुरुआत भारतीय इंजीनियरिंग का नायाब नमूना है। सालों की मेहनत, जान का जोखिम और फिर एक सपने का साकार हो जाना। इस टनल के सपने के साकार हो जाने के पीछे जिन कर्मवीरों की मेहनत और लगन है उन पर राष्ट्र को गर्व है। ऐसे लोग ही भारत की विकास यात्रा को आगे ले जा रहे हैं जिससे भारत विश्व पटल पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। जैसे ही नवंबर दिसंबर में भारी बर्फबारी शुरू होती है, लद्दाख का यह हिस्सा देश से कट जाता है। लद्दाख के लोगों को राशन, दवाई, ईंधन, हवाई जहाज से प्रेजना। सेना के सामान की सप्लाई भी काफी हद तक हवाई मार्ग पर ही निर्भर होती है। लेकिन सुरंग का काम मुकम्मल हो जाने से आम लोगों के साथ-साथ सेना को भी बड़ी राहत मिलेगी।

कासगंज में भीषण सड़क हादसा... यूपी रोडवेज से राजस्थान डिपो बस की जोरदार टक्कर, 2 की मौत, 36 घायल

आर्यावर्त संवाददाता

कासगंज। यूपी के कासगंज जिले में शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। थाना सोरों क्षेत्र के अंतर्गत मथुरा-बरेली हाईवे पर कलेक्ट्रेट के निकट राजस्थान परिवहन की बस और यूपी रोडवेज की बस में आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 36 यात्री घायल हो गए।

घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अलीगढ़ समेत अन्य हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह के समय दोनों बसें अपने-अपने गंतव्य की ओर जा रही थीं। जैसे ही वह कलेक्ट्रेट के पास पहुंचीं, अचानक आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कई यात्री सीटों से उछलकर एक-दूसरे के ऊपर पर जा गिरे, जबकि कुछ लोग बसों के अंदर ही फंस गए।

बसों के अंदर फंस गए थे यात्री

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना सोरों पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बसों में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया और उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

डीएम और पुलिस अधीक्षक पहुंचे अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी प्रणय सिंह और पुलिस अधीक्षक भी जिला अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

जिला अस्पताल में एक साथ बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचने से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने तुरंत इलाज शुरू कर स्थिति को नियंत्रित किया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

हादसे की हो रही जांच

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और सभी घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों की जांच कराई जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दुर्घटना के बाद कुछ समय तक मथुरा-बरेली हाईवे पर यातायात बाधित रहा, लेकिन पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटा कर यातायात को बहाल किया।

योग से जागृत होता है ऊर्जा और आत्मविश्वास : कुलपति

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आयोजित विशेष योग सत्र में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के नेतृत्व में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का इनडोर स्टेडियम सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और उत्साह से सराबोर हो उठा। विश्वविद्यालय की कुलपति ने स्वयं योग प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के लगभग 600 छात्र-छात्राओं को योग, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। कुलपति ने विभिन्न योगासनों एवं ध्यान की विधियों का प्रशिक्षण देते हुए योग के महत्व पर कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और व्यक्तित्व विकास का सशक्त आधार है। योग व्यक्ति के तन, मन और आत्मा को जोड़कर जीवन को संतुलित, स्वस्थ और उद्देश्यपूर्ण बनाता है। उन्होंने भारतीय ऋषि-मुनियों और महापुरुषों के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि योग के माध्यम से उन्होंने न केवल दीर्घायु प्राप्त की, बल्कि अद्भुत ऊर्जा, एकाग्रता और कार्यक्षमता का परिचय भी दिया। योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे अपनाकर युवा पीढ़ी स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आयोजन में अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मकता का वातावरण बना रहा, जिसने सभी प्रतिभागियों को योग के प्रति प्रेरित किया।

ढाई करोड़ की ऑनलाइन ठगी में युवक गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। साइबर क्राइम सेल को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ढाई करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। आरोपी लोगों को लोन, इन्वेस्टमेंट, टूर एंड ट्रैवल्स तथा इंश्योरेंस पैकेज का झांसा देकर साइबर ठगी को अंजाम देता था। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि बरसठी थाना क्षेत्र के पपरावन निवासी शुभम सिंह को गिरफ्तार कर पुलिस ने उसके कब्जे से 3 एंड्रॉइड मोबाइल, 3 कीपैड मोबाइल, 4 सिम कार्ड, 15 एटीएम कार्ड, 9 बैंक पासबुक, 7 चेकबुक, फर्जी आधार कार्ड तथा 1.45 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं, जिन्हें साइबर ठगी से अर्जित धनराशि बताया जा रहा है। जांच में सामने आया कि आरोपी फर्जी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों को कम ब्याज पर लोन, आकर्षक निवेश योजनाएं और टूर पैकेज उपलब्ध कराने का लालच देता था। इसके बाद प्रोसेसिंग फीस, वेरिफिकेशन चार्ज और अन्य शुल्क के नाम पर रकम वसूलकर लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। ठगी से प्राप्त धनराशि फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर कर तत्काल निकाल ली जाती थी। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों में साइबर अपराध के मामले दर्ज हैं। राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर भी उसके विरुद्ध 20 से अधिक शिकायतें दर्ज पाई गई हैं। प्रारंभिक जांच में गिरोह द्वारा करीब 2.5 करोड़ रुपये की साइबर ठगी किए जाने की बात सामने आई है। साइबर सेल अब आरोपी के बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और सहयोगियों की जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस का मानना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी जल्द सामने आ सकते हैं।

संतुलित उर्वरक का प्रयोग करें किसान

जौनपुर। कृषि विभाग द्वारा "खेत बचाओ अभियान एवं विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को जनपद ग्राम नसीरूद्दीनपुर, मीरपुर, अब्बोपुर बड़ागांव विशुनपुर लेबरुआ एवं अमरौना में किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जैव-उर्वरकों के उपयोग तथा सतत कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करना था। डा. रमेश चंद्र यादव उप परियोजना निदेशक कृषि प्रसार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि "मिट्टी केवल एक भौतिक माध्यम ही नहीं, बल्कि एक जीवित माध्यम है जिसकी उर्वरा शक्ति बनाए रखना भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने फसल विविधीकरण, खरीफ फसलों की उन्नति शील तकनीकों, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया।डा.राजीव सिंह केवीके बक्शा ने मृदा में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका और जैव-उत्पादों के वैज्ञानिक उपयोग की जानकारी दी।

बरेली के मेडिकल कॉलेज में एमडी छात्र के साथ रैगिंग, पीड़ित ने जान देने की कोशिश की, एफआईआर

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली जिले में स्थित श्रीराम मूर्ति मेडिकल कॉलेज में एमडी मेडिसिन प्रथम वर्ष के एक छात्र का कथित रैगिंग और मानसिक उत्पीड़न करने का मामला सामने आया है। छात्र के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के प्रशासन, डॉक्टर और सीनियर छात्रों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित छात्र ने मई में परेशान होकर आत्महत्या करने की भी कोशिश की थी।

आरोप है कि एमडी में दाखिला लेने के कुछ समय बाद से छात्र को विभाग के कुछ सीनियर छात्रों द्वारा लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। छात्र के परिजनों के मुताबिक ड्यूटी के दौरान उसके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता था, अपमानजनक टिप्पणियां की जाती थीं, लंबे समय तक ड्यूटी कराई जाती थी और निजी काम भी करवाए

जाते थे। इतना ही नहीं, छुट्टी के दिनों में भी उसे बुलाया जाता था, जिससे वह लगातार मानसिक तनाव में रहने लगा।

पीड़ित छात्र ने की थी आत्महत्या की कोशिश

परिवार का आरोप है कि छात्र ने अपनी परेशानियों की जानकारी मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदार अधिकारियों को भी दी थी, लेकिन उसकी शिकायतों पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसी मानसिक दबाव और कथित उत्पीड़न से परेशान होकर छात्र ने 2 मई 2026 को मेडिकल कॉलेज की तीसरी मंजिल से कूद कर आत्महत्या करने की भी कोशिश की थी। इस घटना में उसे गंभीर चोटें आईं थी और कई दिनों तक आईसीयू में उसका इलाज चला था।

शिकायत में कई सीनियर छात्रों के नाम भी

परिजनों का कहना है कि घटना के बाद छात्र ने बताया कि कुछ सीनियर छात्रों द्वारा उसके साथ लगातार रैगिंग, मानसिक दबाव और अमानवीय व्यवहार किया जा रहा था। शिकायत में कई छात्रों के नाम भी शामिल किए गए हैं।

पीड़ित के पिता ने भोजीपुरा थाने में डॉ. रितेश गोयल, डॉ. कुशाग्र शर्मा, डॉ. मानस खंडेलवाल, डॉ। लतिका समेत अन्य छात्रों और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं इस मामले में बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसके बाद एडीएम और एडिशनल एसपी की समिति द्वारा जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, श्रीराम मूर्ति मेडिकल कॉलेज के मीडिया प्रभारी अमित अवस्थी से इस मामले में संपर्क किए जाने पर उन्होंने कहा कि कॉलेज का इस संबंध में कोई आधिकारिक पक्ष नहीं है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जनगणना-2027 में लापरवाही पड़ी भारी, ड्यूटी छोड़कर भागे शिक्षक पर गिरी गाज

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील में जनगणना-2027 के काम में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। तहसीलदार/चार्ज अधिकारी तहसील बल्दीराय ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर सहायक अध्यापक इन्द्रजीत के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की है। पत्र के अनुसार, कम्पोजिट विद्यालय भवानी शिवपुर में तैनात सहायक अध्यापक इन्द्रजीत को जनगणना के प्रथम चरण मकानसूचीकरण के लिए सुपरवाइजर सर्किल 42, भस्ठ संख्या 251 पर नियुक्त किया गया था। आरोप है कि इन्द्रजीत बिना चार्ज अधिकारी या खंड शिक्षा अधिकारी को सूचना दिए और अपना आवंटित भस्ठ का कार्य अधूरा छोड़कर स्वेच्छा से ड्यूटी स्थल से चले गए। तहसीलदार ने पत्र में लिखा कि उनके जाने से जनगणना कार्य बाधित हो रहा है और शासन की तय समय-सीमा प्रभावित हो रही है।

कासगंज में आंधी–बारिश का कहर : मकान की छत गिरी, एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

कासगंज। सिढ़पुरा थाना क्षेत्र के गांव शेखूपुर में शनिवार सुबह करीब 5 बजे तेज आंधी और बर्षा के दौरान एक पुराने मकान की छत भरभराकर गिर गई। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में 30 वर्षीय वीरभान, उनकी 27 वर्षीय पत्नी नीलम और तीन वर्षीय बेटी काव्या शामिल हैं। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 10 वर्षीय काजल, सात वर्षीय सूरज और पांच वर्षीय किरन गंभीर रूप से घायल है, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीएम प्रणय सिंह और एसपी ओपी सिंह ने घटनास्थल का जायजा लिया

सूचना मिलते ही डीएम प्रणय सिंह और एसपी ओपी सिंह ने घटनास्थल तथा अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिया।

मौसम का बदला मिजाज, धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश से मिली राहत

सुलतानपुर। शनिवार को सुबह करीब 10.30 बजे मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज धूल भरी आंधी के बाद आसमान पर काले घने बादल छा गए और दिन में ही अंधेरे जैसा माहौल बन गया। इसके बाद शुरू हुई झमाझम बारिश ने भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत पहुंचाई। मौसम के इस अप्रत्याशित बदलाव से शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लोगों ने राहत की सांस ली। तेज हवाओं और बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे कई दिनों से पड़ रही प्रचंड गर्मी का असर कम हो गया। हालांकि आंधी के दौरान धूल का गुबार छाने से कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा। बारिश शुरू होते ही बच्चे और युवा मौसम का आनंद लेते नजर आए, जबकि किसानों ने भी इस वर्षा का स्वागत किया।

3 लाख के बदले 30 लाख की डिमांड... बरेली जिला अस्पताल में ब्याज से परेशान वार्ड बॉय ने लगाई फांसी, सूदखोर अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली के जिला अस्पताल में तैनात वार्ड बॉय की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी सूदखोर सुधीर कुमार को कानपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक ने अपनी मौत से पहले लिखे सुसाइड नोट में आरोपी पर मानसिक दबाव, लगातार प्रताड़ना और भारी रकम की मांग करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। इसी मामले में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था और वह घटना के बाद से फरार चल रहा था।

15 मई को जिला अस्पताल में उस समय हड़कंप मच गया था, जब वार्ड बॉय प्रदीप कुमार ने ड्यूटी के दौरान अस्पताल परिसर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके से

मिले सुसाइड नोट ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया।

सुसाइड नोट में लिखी थी मानसिक प्रताड़ना की बात

पुलिस के अनुसार, सुसाइड नोट में प्रदीप कुमार ने लिखा था कि करीब दस साल पहले उन्होंने तीन लाख रुपये उधार लिए थे। आरोप है कि समय के साथ रकम बढ़ाकर उनसे करीब 30 लाख रुपये की मांग की जाने लगी। नोट में यह भी लिखा गया कि लगातार दबाव और मानसिक तनाव की वजह से वह परेशान थे और इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया। घटना के बाद मृतक की बेटी मानसी शर्मा ने कोतवाली थाने में तहरीर दी। शिकायत में आरोपी सुधीर कुमार उर्फ चूचू पर आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए। इसके आधार पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गिरफ्तारी से बचने के लिए बदलता रहा ठिकाना

मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी शहर छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस की कई टीमों ने उसकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान उसकी लोकेशन कानपुर में मिली। पुलिस को जानकारी मिली कि वह कानपुर रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में छिपकर रह रहा है। कोतवाली पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि आरोपी के खिलाफ पहले से गैर जमानती वारंट भी जारी था। गिरफ्तारी के बाद उसे बरेली लाकर कोर्ट में पेश किया जाएंगा। फिलहाल पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि लेन-देन और कथित वसूली से जुड़े अन्य तथ्य क्या हैं।

साइबर ठगी के आरोपी को छुड़ा ले गई भीड़, गाजियाबाद से मुरादाबाद गई थी पुलिस, लोगों ने जमकर किया हंगामा, 25 पर एफआईआर

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के मूंढापांडे में गाजियाबाद साइबर क्राइम पुलिस टीम पर हमला कर आरोपी को हिरासत से छुड़ाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। गाजियाबाद कमिश्नरेट की साइबर क्राइम टीम एक करोड़ एक लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले की जांच के सिलसिले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुरादाबाद पहुंची थी, लेकिन वहां पुलिस को भारी विरोध का सामना करना पड़ा।

जांच के दौरान साइबर पुलिस को पता चला था कि ठगी गई रकम में से 43 लाख रुपये सीधे मूंढापांडे निवासी राशिद के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। पुलिस के अनुसार यह खाता साइबर फ्रॉड में

इस्तेमाल किए गए फर्स्ट लेयर अकाउंट के रूप में सामने आया था, जिसमें पीड़ितों से ठगी गई राशि सीधे भेजी गई थी। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद गाजियाबाद साइबर थाने की टीम राशिद को गिरफ्तार करने उसके घर पहुंची थी।

पुलिस टीम को चारों ओर से घेरा

पुलिस का आरोप है कि जैसे ही टीम ने कार्रवाई शुरू की, आरोपी के परिजनों और स्थानीय लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस टीम को चारों ओर से घेर लिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार किया गया। उग्र भीड़ ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए आरोपी राशिद को पुलिस की कस्टडी से छुड़ा लिया और उसे मौके से फरार करा दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मूंढापांडे पुलिस और अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और गाजियाबाद से आई टीम की सुरक्षा सुनिश्चित की। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। मुरादाबाद के एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस टीम की तहरीर के आधार पर मूंढापांडे थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में राशिद, उसके भाई शम्मू (सम्मू) और नन्हें को नामजद आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा 20 से 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी विभिन्न गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित

पुलिस के अनुसार राशिद के भाई, जो जिला पंचायत सदस्य बताए जा रहे हैं, ने अन्य परिजनों और समर्थकों के साथ मिलकर पुलिस कार्रवाई का विरोध किया था। मामले में शामिल महिलाओं और अन्य लोगों की पहचान भी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिस बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम आई थी, उसे तत्काल सीज कर दिया गया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं और पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक एवं निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है।

मेंटेनेंस चार्ज, पावर बैकअप हो जाएगा महंगा! डीजल खरीद की नई लिमिट से नोएडा की सोसाइटियों में क्यों मचा है हड़कंप?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। केंद्र सरकार द्वारा डीजल खरीद को लेकर जारी किए गए नए नियमों ने औद्योगिक इकाइयों के साथ-साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट की हाईराइज सोसाइटियों की भी चिंता बढ़ा दी है। नए आदेश के अनुसार अब खुदरा पेट्रोल पंपों से कोई भी उपभोक्ता एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल ही खरीद सकेगा। अभी यह व्यवस्था 90 दिनों के लिए लागू की गई है।

गौतम बुद्ध नगर में 400 से अधिक हाईराइज सोसाइटियां हैं, जहां बिजली कटौती के दौरान बैकअप के लिए बड़े डीजी सेट (डीजल जनरेटर) लगाए गए हैं। इन जनरेटरों को संचालित करने के लिए प्रतिदिन बड़ी मात्रा में डीजल की आवश्यकता होती है। ऐसे में नए नियम लागू होने के बाद बिल्डरों और अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (AOA) की चिंता बढ़ गई है।

सोसाइटी प्रबंधन से जुड़े लोगों का कहना है कि बड़ी आवासीय परियोजनाओं में लंबे समय तक बिजली कटौती होने पर जनरेटर लगातार चलाने पड़ते हैं। अब डीजल खरीद की सीमा तय होने से बैकअप व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। यदि सोसाइटियों को खुदरा पेट्रोल पंपों की बजाय महंगा कमर्शियल डीजल खरीदना पड़ा तो जनरेटर संचालन की लागत में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर निवासियों पर पड़ेगा और पावर बैकअप शुल्क व मेंटेनेंस चार्ज भी बढ़ सकते हैं। इस फैसले के बाद कई सोसाइटियों के बिल्डर और एओए पदाधिकारी समाधान तलाशने में जुट गए हैं। जल्द ही इस विषय पर बैठकों का आयोजन कर वैकल्पिक व्यवस्था और सामूहिक समाधान खोजने की कोशिश की जाएगी, ताकि निवासियों को बिजली बैकअप से जुड़ी किसी बड़ी समस्या का सामना न करना पड़े।

जानकारों के मुताबिक खुदरा पेट्रोल पंपों और बल्क कमर्शियल डीजल की कीमतों में करीब 35 से 40 रुपये प्रति लीटर तक का अंतर है। इसी वजह से बड़ी सोसाइटियां, ट्रांसपोर्ट कंपनियां और औद्योगिक इकाइयां लागत कम करने के लिए खुदरा पंपों से डीजल खरीद रही थीं। सरकार का कहना है कि आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने और संभावित कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह सीमा निर्धारित की गई है।

टमाटर से बनाए जा सकते हैं ये 5 स्वादिष्ट व्यंजन

टमाटर

टमाटर एक ऐसी सब्जी है, जो न केवल सलाद में बल्कि कई स्वादिष्ट व्यंजनों में भी इस्तेमाल की जा सकती है। टमाटर में विटामिन-सी, पोटेशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद हैं। आइए आज हम आपको टमाटर से बनाए जाने वाले कुछ ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जो खाने में बेहद स्वादिष्ट और पौष्टिक हैं। इन व्यंजनों को बनाना भी आसान है और ये आपके खाने का मजा बढ़ा सकते हैं।

टमाटर का हलवा

टमाटर का हलवा एक खास और स्वादिष्ट मिठाई है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले टमाटर को उबालकर उसका पेस्ट बना लें, फिर घी में सूजी भूनें और उसमें टमाटर का पेस्ट मिलाएं। इसके बाद इसमें चीनी, इलायची पाउडर और सूखे मेवे डालकर पकाएं। यह हलवा न केवल स्वादिष्ट है बल्कि पोषण से भरपूर भी है। इसे आप किसी खास मौके पर बना सकते हैं या किसी भी समय मिठाई के रूप में परोस सकते हैं।

टमाटर का पुलाव

टमाटर का पुलाव एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है जब आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बासमती चावल को धोकर भिगो दें, फिर तेल या घी में जीरा, तेजपत्ता, दालचीनी डालकर भूनें। अब कटे हुए प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें, फिर कटे हुए टमाटर डालकर पकाएं जब तक वे नरम हो जाएं। इसके बाद भिगोए हुए चावल डालकर पानी मिलाएं और धीमी आंच पर पकने दें।

टमाटर का रायता

गर्मियों में ठंडा-ठंडा रायता कौन नहीं पसंद करता? टमाटर का रायता बनाने के लिए सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें, फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ टमाटर, काला नमक, भुना जीरा पाउडर और हरी मिर्च डालकर मिलाएं। इसे ठंडा-ठंडा परोसें। यह रायता खाने में बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक है। इसे आप किसी भी मुख्य भोजन के साथ परोस सकते हैं। यह रायता न केवल आपके खाने को ताजगी देता है बल्कि आपके पेट को भी शांत रखता है।

टमाटर की कढ़ी

पंजाबी कढ़ी तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी टमाटर की कढ़ी चखी है? अगर नहीं तो आज ही आजमाएं। इसके लिए बेसन के घोल में मसाले मिलाकर छोटे-छोटे पकौड़े बना लें, फिर पानी उबालकर उसमें हल्दी, नमक, लाल मिर्च मिलाकर पकाएं। अब इन पकौड़ों को इसमें डालकर पकाएं। दूसरी तरफ टमाटर की ग्रेवी बनाने के लिए टमाटर, प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट बनाकर मिलाएं। अंत में दोनों को मिलाकर परोसें।

टमाटर की चटनी

दाल-चावल या परांठे किसी भी व्यंजन के साथ परोसने लायक यह चटनी बहुत ही आसान तरीके से बनाई जा सकती है। इसके लिए सबसे पहले टमाटर, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च, धनिया पत्तियां और नींबू रस मिलाकर पीस लें। अब इस मिश्रण को कटोरे में निकालकर उसमें नमक, जीरा पाउडर और थोड़ा-सा तेल डालें। आपका स्वादिष्ट टमाटर की चटनी तैयार है। इसे आप अपने खाने में शामिल कर सकते हैं।

दलिया Vs ओट्स: सुबह के नाश्ते में किसे शामिल करने से मिलेंगे ज्यादा फायदे?

ओट्स और दलिया दोनों ही सुबह के नाश्ते के लिए एक हेल्दी ऑप्शन है, फिर चाहे वजन कम करने के उद्देश्य से इसे डाइट में शामिल किया हो या वजह बैलेंस डाइट हो। दोनों ही ऐसे फूड है जिन्हें आसानी से पकाने के साथ ही पचाया भी जा सकता है। पर कभी मन में यह ख्याल आया है कि ओट्स और दलिया में से कौन स ऑप्शन ज्यादा हेल्दी है? अगर हां, तो चलिए इस सवाल का जवाब खोजते हैं।

ओट्स और दलिया के पोषक तत्व

यहां ओट्स और दलिए में पाए जाने वाले पोषक तत्व की बात कर रहे हैं, जिनसे यह समझने में मदद मिलेगी कि नाश्ते के लिए कौन स विकल्प बेहतर है।

फाइबर की मात्रा

मायो क्लिनिक की माने तो ओट्स में बीटा ग्लूकन नामक सोल्यूबल फाइबर होता है, जो खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने, ब्लड शुगर लेवल घटाने और दिल की सेहत सुधारने के लिए खासतौर से जाना जाता है। इसके साथ ही यह फाइबर हेल्दी गट बैक्टीरिया के लिए भी काम करता है, जिससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती। इस तरह यह वजन कम करने के लिए अच्छा विकल्प है। वहीं, अगर दलिया की बात करें तो उसमें सोल्यूबल की जगह इनसोल्यूबल फाइबर होता है। जो पाचन को बेहतर बनाने में मददगार है। इस तरह दलिए के सेवन से कब्ज और एसिडिटी जैसी पेट से जुड़ी दिक्कतें कम होती हैं।

प्रोटीन की मात्रा

100 ग्राम ओट्स में प्रोटीन की मात्रा 13-16g के आसपास होती है जबकि 100 ग्राम दलिए में यह मात्रा 9-12g के करीब पाई जाती है। इस तरह ओट्स में प्रोटीन दलिया से ज्यादा होता है। ऐसे में अगर आप डाइट में प्रोटीन ज्यादा शामिल करना चाहते हैं तो ओट्स अच्छा ऑप्शन है।

ग्लाइसेमिक इंडेक्स

दलिए का ग्लाइसेमिक इंडेक्स ओट्स की तुलना में कम होता है। इसका सीधा सा मतलब है कि यह ग्लूकोज को ब्लडस्ट्रीम में धीमे-धीमे पहुंचाता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल तेजी से नहीं बढ़ता। अगर ओट्स की बात करें तो इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स ज्यादा पाया जाता है, यह डायबिटीज के मरीजों के लिए हेल्दी नहीं है। ओट्स वर्कआउट के बाद शरीर को तुरंत एनर्जी देने के लिए फायदेमंद माने जाते हैं।

ओट्स v/s दलिया कौन स विकल्प है बेहतर?

अगर लक्ष्य वजन कम करना और कोलेस्ट्रॉल को ठीक रखना है तो इसके लिए ओट्स नाश्ते में खाना हेल्दी है। वर्कआउट के बाद शरीर को पर्याप्त पोषण देने के लिए ओट्स खाना सही है। वहीं, पेट से जुड़ी दिक्कतों से छुटकारा पाने के लिए दलिया बेहतर विकल्प माना जाता है।

क्या आप जानते हैं अपने चेहरे के वो 12 बिंदु जो बनते हैं आपकी असली पहचान? उम्र के साथ भी नहीं बदलते

क्या आप जानते हैं कि आपके चेहरे पर 12 ऐसे बिंदु हैं, जो आपकी पहचान बताते हैं? जी हां, ये बिंदु ताउम्र नहीं बदलते और आपकी आइडेंटिटी का अहम हिस्सा हैं।

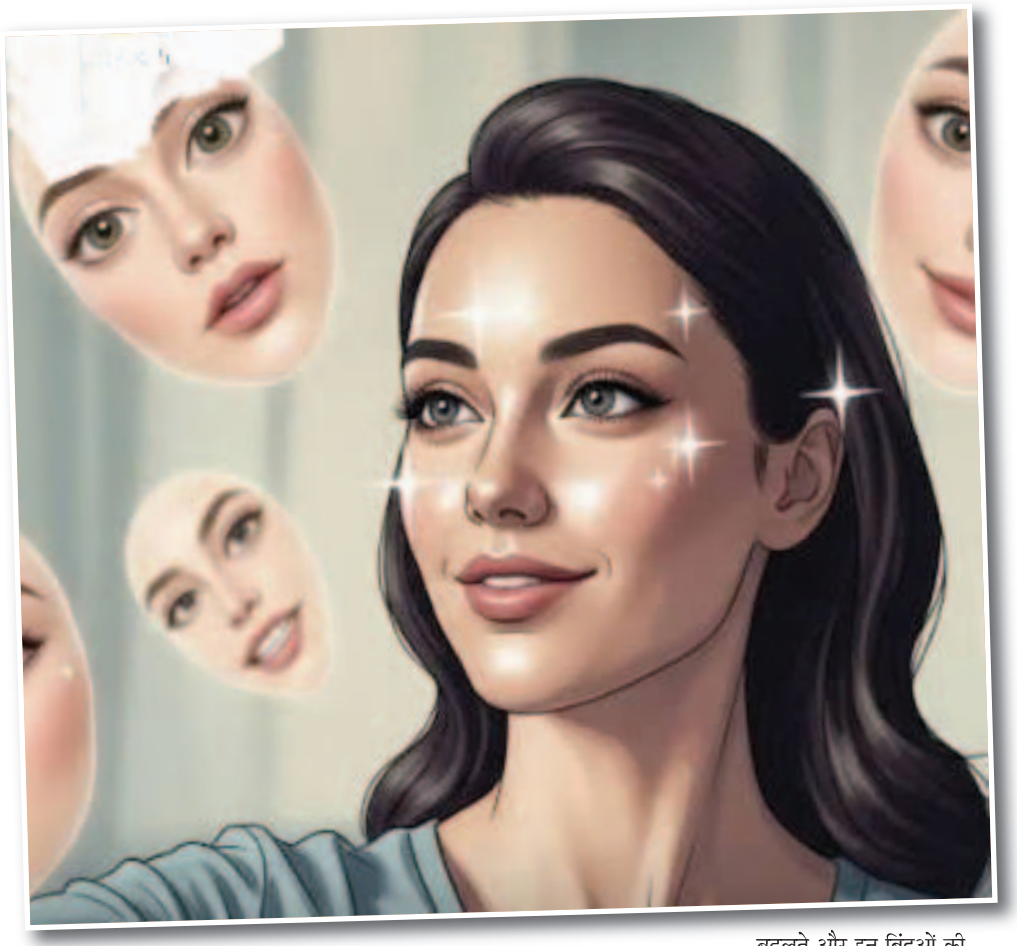

उम्र के साथ हमारा चेहरा बदलता रहता है। इसलिए पहचान के लिए सबसे सटीक तरीका बायोमेट्रिक्स माना जाता है, जैसे अंगूठे के निशान। लेकिन दुर्घटना या अपराध के मामलों में सड़ी-गली बॉडी को पहचानने में ये तरीके भी काम नहीं आ पाते।

ऐसी स्थिति में शव की पहचान करना पुलिस और फॉरेंसिक टीम के लिए काफी मुश्किल हो जाता है। हालांकि, अब इस मुसीबत का हल ढूंढ लिया गया है। हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च में सामने आया है कि इंसान के चेहरे पर 12 ऐसे खास बिंदु होते हैं, जो कभी नहीं बदलते और इन बिंदुओं की मदद से सड़े-गले शवों की सटीक पहचान मुमकिन हो सकेगी।

चेहरे के वो 12 बिंदु जो हैं आपकी असली पहचान

दुनिया में हर इंसान के चेहरे की बनावट अलग होती है और ये इन खास बिंदुओं की वजह से ही होता है। ये बिंदु उम्र के साथ बदलते नहीं है और इनकी नकल करना या इनमें हेरफेर करना नामुमकिन है। इसलिए ये व्यक्ति की पहचान करने में काफी मददगार हैं। चेहरे के ये 12 बिंदु हैं-

दो आंखों के बीच की दूरी
नथुनों का नीचे का हिस्सा
नोज ब्रिज यानी नाक के ऊपर का हिस्सा
भौंहों के किनारे वाले छोर
होंठों के आखिरी छोर
जबड़े की संरचना
आंखों के सॉकेट की हड्डी की संरचना
नाक और आंख के बीच की दूरी
नाक और कान के बीच की दूरी
आंख की आइरिस का पैटर्न
नाक और ठोड़ी की दूरी

98% सटीक नतीजे

इस रिसर्च की शुरुआत साल 2011 में आईआईटी के साथ मिलकर की गई थी, जिसका नाम 'फेस रिकग्निशन फॉर द आइडेंटीफिकेशन एंड वैरिफिकेशन ऑफ ए पर्सन' है। यह रिसर्च अलग-अलग स्टेज से गुजरते हुए इंटरनेशनल जर्नल में भी पब्लिश हो चुका है।

शुरुआती स्टेज में इस पर 2D फेस इमेज के जरिए काम शुरू हुआ था, लेकिन तकनीक के अपग्रेड होने के बाद 3D तकनीक को अपनाया गया। 3D इमेजिंग से चेहरे के इन बिंदुओं को काफी गहराई तक देखा जा सकता है। खास बात यह भी है कि 3D तकनीक से मिलने वाले नतीजे 98 फीसदी तक सटीक रहे हैं।

कब डैमेज हो सकते हैं ये बिंदु?

चेहरे के ये 12 बिंदु आम परिस्थितियों में कभी नहीं बदलते, लेकिन कुछ खास मामलों में इनकी स्थिति बिगड़ सकती है, जैसे-

कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने पर ये बिंदु प्रभावित हो सकते हैं

चेहरे पर तेजाब या आग से जलने पर

किसी एक्सीडेंट में चेहरा कुचल जाने पर या चेहरे की हड्डियां अपनी जगह से खिसक जाने पर

अब काम आएगी AI तकनीक

अब रिसर्च में AI और मल्टी डायमेंशनल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अगर किसी वजह से चेहरे की ऊपरी सतह के बिंदु नष्ट भी हो जाते हैं, तो AI और मल्टी डायमेंशनल तकनीक की मदद से चेहरे की और ज्यादा गहराई में जाकर इन बिंदुओं को स्टडी किया जा सकेगा।

कम बजट में भी घर बनेगा एस्थेटिक, बस फॉलो करें ये छोटे-छोटे टिप्स

घर को खूबसूरत और स्टाइलिश बनाने के लिए हमेशा महंगे फर्नीचर या लग्जरी डेकोरेशन आइटम्स की जरूरत नहीं होती। थोड़ी-सी क्रिएटिविटी और सही प्लानिंग के जरिए आप कम बजट में भी अपने घर को एस्थेटिक लुक दे सकते हैं। आजकल सोशल मीडिया पर दिखने वाले मिनिमल और आकर्षक होम डेकोर ट्रेंड्स को आसानी से अपने घर में अपनाया जा सकता है।

अगर आप भी चाहते हैं कि आपका घर देखने में साफ-सुथरा, मॉडर्न और इंस्टाग्राम-फ्रेंडली लगे, तो कुछ छोटे-छोटे बदलाव बड़ा फर्क ला सकते हैं। इस आर्टिकल में जानते हैं ऐसे ही आसान और बजट-फ्रेंडली होम डेकोर आइडियाज, जो आपके घर की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा सकते हैं।

दीवारों को दें नया लुक

घर की दीवारें पूरे इंटीरियर का फोकस पॉइंट होती हैं। महंगे वॉलपेपर की जगह आप फ्रेम्स, फैमिली फोटो, DIY आर्टवर्क या छोटे मिरर लगाकर दीवारों को अट्रैक्टिव बना सकते हैं। इससे कम खर्च में घर को नया और स्टाइलिश लुक मिलेगा और पैसा भी बहुत ज्यादा खर्च नहीं होगा।

इंडोर प्लांट्स से बढ़ाएं खूबसूरती

हरे-भरे पौधे किसी भी जगह को फ्रेश और एस्थेटिक बना देते हैं। आजकल इनडोर प्लांट का क्रेज भी काफी बढ़ गया है। इसके लिए आप मनी प्लांट, स्नेक प्लांट या पीस लिली जैसे इंडोर प्लांट्स लेकर घर को एक सुंदर लुक दे सकते हैं। ये न सिर्फ घर की खूबसूरती बढ़ाएंगे बल्कि हवा को भी शुद्ध करने का काम करते हैं।

कुशन और कर्टेन बदलें

अगर पूरे कमरे का लुक बदलना चाहते हैं तो नए कुशन कवर और पर्दों का इस्तेमाल करें। इसके लिए पहले जैसे डार्क कलर्स को छोड़कर हल्के रंगों और सिंपल पैटर्न वाले फैब्रिक चुने। ये घर को मॉडर्न और एलिगेंट लुक देते हैं।

वार्म लाइटिंग का करें इस्तेमाल

आजकल येलो वार्म लाइट काफी ज्यादा पसंद की जा रही है, जो घर को एस्थेटिक लुक देती है। इसके अलावा ये कमरे को कंफर्टेबल और प्रीमियम लुक देती हैं। फेयरी लाइट्स, टेबल लैंप या छोटे डेकोरेटिव लैंप कम बजट में मिल भी जाते हैं, जो आपके घर की शोभा और बी बढ़ा सकते हैं।

पुराने सामान को करें री-यूज

पुरानी बोतलें, लकड़ी के बॉक्स या बेकार पड़े कंटेनर्स को पेंट करके डेकोरेशन पीस में बदला जा सकता है। यह तरीका न सिर्फ बजट फ्रेंडली बल्कि घर को यूनिक लुक भी देता है और आपकी क्रिएटिविटी को भी बढ़ाता है।

क्लटर-फ्री रखें घर

एस्थेटिक घर की सबसे बड़ी पहचान साफ-सफाई और व्यवस्थित स्पेस होता है। गैर-जरूरी सामान हटाकर और चीजों को सही तरीके से ऑर्गनाइज करके भी घर को अट्रैक्टिव और एस्थेटिक बनाया जा सकता है।

नो कॉस्ट के चक्कर में कहीं जेब तो नहीं हो रही ढीली? यूज करने से पहले चेक करें ये हिडन चार्ज

क्रेडिट कार्ड ईएमआई बड़े खर्च को आसान बनाती है, लेकिन नो-कॉस्ट ईएमआई हमेशा पूरी तरह मुफ्त नहीं होती। प्रोसेसिंग फीस, जीएसटी और अन्य छिपे शुल्क आपकी खरीदारी को महंगा बना सकते हैं। ईएमआई चुनने से पहले सभी शर्तें जरूर पढ़ें।

महंगे स्मार्टफोन, टीवी, लैपटॉप या अन्य सामान खरीदने के लिए आजकल क्रेडिट कार्ड ईएमआई सबसे पसंदीदा विकल्प बन गई है। खासकर नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर ग्राहकों को काफी आकर्षित करता है क्योंकि इसमें अतिरिक्त ब्याज नहीं देने का दावा किया जाता है। हालांकि, कई बार ऐसे ऑफर्स में प्रोसेसिंग फीस, जीएसटी और अन्य छिपे हुए शुल्क शामिल होते हैं, जिससे खरीदारी की कुल लागत बढ़ सकती है। ऐसे में ईएमआई का विकल्प चुनने से पहले उसकी पूरी शर्तों को समझना बेहद जरूरी है।

क्रेडिट कार्ड ईएमआई ने उपभोक्ताओं के लिए महंगे उत्पाद खरीदना काफी आसान बना दिया है। इसकी मदद से ग्राहक एकमुश्त भुगतान करने के बजाय हर महीने छोटी-छोटी किश्तों में रकम चुका सकते हैं। यही वजह है कि इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरणों और ऑनलाइन शॉपिंग में EMI का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। हालांकि, आसान भुगतान की सुविधा कई बार लोगों को जरूरत से ज्यादा खर्च करने के लिए भी प्रेरित कर सकती है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि ईएमआई लेने से पहले अपनी भुगतान क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

भारत में तेजी से बढ़ रहा है क्रेडिट कार्ड खर्च

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के आंकड़े बताते हैं कि देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में कई महीनों के दौरान क्रेडिट कार्ड खर्च 2 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया। यह दर्शाता है कि डिजिटल भुगतान और क्रेडिट आधारित खर्च में तेजी आई है। एक्सपर्ट के अनुसार, बढ़ते उपयोग के साथ कर्ज का जोखिम भी बढ़ता है, खासकर तब जब ग्राहक EMI और क्रेडिट कार्ड बिल का समय पर भुगतान नहीं कर पाते।

नो-कॉस्ट ईएमआई हमेशा नहीं होती पूरी तरह मुफ्त

नो-कॉस्ट ईएमआई सुनने में आकर्षक लगती है, लेकिन कई मामलों में इसकी वास्तविक लागत अलग हो सकती है। कई कंपनियां उत्पाद पर मिलने वाली छूट को कम करके या कीमत में ब्याज की राशि जोड़कर ईएमआई ऑफर देती हैं। ऐसे में ग्राहक को लगता है कि वह बिना ब्याज के खरीदारी कर रहा है, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से अतिरिक्त राशि चुका रहा होता है।

इन हिडन चार्ज पर जरूर रखें नजर

प्रोसेसिंग फीस- कई बैंक ईएमआई शुरू करने के लिए एक बार की प्रोसेसिंग फीस लेते हैं। यह शुल्क आपकी कुल लागत को बढ़ा सकता है।

ब्याज शुल्क- सामान्य ईएमआई योजनाओं में बैंक बकाया राशि पर ब्याज वसूलते हैं, जिससे अंतिम भुगतान राशि बढ़ जाती है।

फोरक्लोजर चार्ज- अगर आप तय अवधि से पहले पूरी ईएमआई चुकाना चाहते हैं, तो बैंक प्री-क्लोजर या फोरक्लोजर शुल्क लगा सकते हैं।

जीएसटी का प्रभाव- प्रोसेसिंग फीस, ब्याज और फोरक्लोजर शुल्क पर GST भी लागू होता है, जिससे कुल खर्च और बढ़ जाता है।

ईएमआई लेने से पहले क्या करें?

किसी भी ईएमआई ऑफर को स्वीकार करने से पहले उत्पाद की कीमत अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जरूर जांचें। ईएमआई की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस, ब्याज दर और फोरक्लोजर चार्ज को ध्यान से पढ़ें। यदि संभव हो तो कुल भुगतान राशि की गणना करें और देखें कि ऑफर वास्तव में फायदेमंद है या नहीं। फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स मानते हैं कि ईएमआई का उपयोग तभी करना चाहिए जब उसकी मासिक किस्त आपकी आय और बजट के अनुरूप हो। सही जानकारी और सावधानी के साथ इस्तेमाल की गई ईएमआई सुविधा खरीदारी को आसान बना सकती है, लेकिन बिना शर्तें समझे लिया गया फैसला आपकी जेब पर अतिरिक्त बोझ भी डाल सकता है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला : पेट्रोल पंपों से थोक में डीजल-पेट्रोल खरीदने पर रोक

भारत सरकार ने पेट्रोल (मोटर स्पिरिट) और हाई-स्पीड डीजल की बिक्री को लेकर नए प्रतिबंध लागू किए हैं। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, अब रिटेल पेट्रोल पंपों से बड़ी मात्रा में ईंधन खरीदने पर रोक रहेगी और संस्थागत व व्यावसायिक उपभोक्ताओं को अपनी जरूरत का ईंधन उनके निर्धारित उपभोक्ता या कैप्टिव पंपों से ही लेना होगा। सरकार का कहना है कि यह कदम रियायती या रिटेल कीमतों पर मिलने वाले ईंधन के दुरुपयोग और दूसरी जगह बेचे जाने (डायवर्जन) को रोकने के लिए उठाया गया है। यह आदेश फिलहाल 90 दिनों तक लागू रहेगा, हालांकि सरकार चाहे तो इसे पहले वापस ले सकती है या इसमें बदलाव कर सकती है।

नए नियमों के तहत पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी एक ग्राहक या वाहन को एक दिन में 200 लीटर से अधिक डीजल न बेचें। इसके अलावा, पेट्रोल पंप से खरीदे गए डीजल को आगे दोबारा बेचने पर भी रोक लगा दी गई है। इससे बड़ी मात्रा में ईंधन की आवाजाही पर निगरानी और सख्त होगी। सरकार ने कहा कि इस फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रिटेल पेट्रोल पंपों पर बिकने वाला ईंधन मुख्य रूप से आम उपभोक्ताओं के उपयोग में आए। वहीं, बड़े संस्थानों और व्यावसायिक ग्राहकों को अपनी जरूरत का ईंधन अधिकृत माध्यमों से खरीदना होगा।

इस प्रतिबंध का असर बड़ी मात्रा में ईंधन खरीदने वाले उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। साथ ही, इससे तेल विपणन कंपनियों जैसे भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की मांग और वितरण व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। इन कंपनियों की रिटेल ईंधन बिक्री पर निगरानी बढ़ने की संभावना है। इस घटनाक्रम के बाद तेल विपणन कंपनियों के शेयरों पर भी निवेशकों की नजर बनी रह सकती है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। भारत को भी मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनावों के कारण आपूर्ति संबंधी दबावों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में देश में ईंधन की कीमतों में कई बार बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में 15 मई के बाद से पेट्रोल की कीमत लगभग 4.75 रुपए प्रति लीटर (करीब 5 प्रतिशत) बढ़ी है, जबकि डीजल की कीमत में 4.82 रुपए प्रति लीटर (लगभग 5.49 प्रतिशत) की बढ़ोतरी हुई है। इसकी मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी बताई जा रही है।

हालिया मूल्य वृद्धि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बाद हुई है, जिससे वैश्विक समुद्री व्यापार मार्ग प्रभावित हुए हैं। खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए होने वाली तेल आपूर्ति पर असर पड़ा है। दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। आपूर्ति में बाधा आने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं।

जहां अधिकांश देशों ने बढ़ी हुई लागत का बोझ जल्द ही उपभोक्ताओं पर डाल दिया, वहीं भारत ने लंबे समय तक घरेलू ईंधन कीमतों को स्थिर बनाए रखा। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, होर्मुज मार्ग में व्यवधान शुरू होने के बाद पहले 76 दिनों तक भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में एकमात्र देश था जिसने ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया था। इसके बाद कीमतों में संशोधन शुरू किया गया।

कोड़े मारना-जलाना और रेप...भारतीय मूल के शख्स को लंदन में 34 साल की सजा, 18 वर्ष तक पैरोल भी नहीं

लंदन। लंदन में भारतीय मूल के एक शख्स गगनदीप सिंह को शुक्रवार को 34 साल की जेल की सजा सुनाई गई। गगन को किडनैपिंग, टॉर्चर और रेप के क्राइम का दोषी पाया गया। फरवरी में कोर्ट में मुकदमा चला और उसे दो मामलों में रेप, गैर-कानूनी तरीके से कैद रखना, गंभीर चोट पहुंचाना और किडनैपिंग का दोषी ठहराया गया। ये केस आइलवर्थ क्राउन कोर्ट में चला। इन सभी मामलों की वजह से अब गगनदीप को 28 साल जेल में रहना होगा और जिन 6 साल में वो बाहर निकलेगा भी, उसमें गगन पर कड़ी निगरानी रहेगी। वहीं कम से कम 18 साल जेल में बिताने के बाद ही पैरोल (जमानत पर रिहाई) पर विचार हो सकता है।

पीड़िता एक 24 साल की युवती थी। उसे पश्चिम लंदन के हनवेल इलाके में एक घर ले जाकर लंबे समय तक बहुत ही बेरहमी से टॉर्चर दिया। जून 2024 में महिला से कहा गया कि वह थाईलैंड से यूके एक सूटकेस लेकर आए। जब उसने मना कर दिया, तो बर्मिंघम एयरपोर्ट पर नकाबपोश लोग उसे जबरन कार में बिठाकर लंदन ले गए। वहां पर गगनदीप सिंह ने उसके साथ दो बार रेप किया।

एक दिन से ज्यादा समय तक उसे मारपीट, कपड़े उतारना, कोड़े मारना, जलाना और यहां तक कि रेप भी किया गया। हालांकि, पीड़िता को बाद में उसे छोड़ दिया गया, लेकिन धमकी दी गई कि वो इस बारे में किसी को भी कुछ न बताए। पीड़िता बहुत डरी हुई थी। शुरू में पुलिस को सब कुछ बताने में हिचक रही थी। बाद में उसकी मां और पुलिस की मदद से केस आगे बढ़ा।

'जांच में महिला ने बहादुरी दिखाई'

मेट्रोपॉलिटन पुलिस की नॉर्थ वेस्ट रेप एंड सीरियस सेक्सुअल ऑफेंस यूनिट की डिटेक्टिव कॉन्स्टेबल सीतारा अब्दुल ने कहा, "इस मामले में पीड़िता ने जिस टॉर्चर का सामना किया, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।" सीतारा अब्दुल ने इस जांच में टीम लीड किया। उन्होंने कहा, "उसने आगे आकर और अपने हमलावर को सजा दिलाने में हमारी मदद करके बहुत बहादुरी दिखाई है। उस पर जिस तरह का कंट्रोल रखा गया था, उससे उसे अपनी जान का डर सताने लगा था।"

होर्मुज पर ईरान से आई गुड न्यूज, अरागची बोले- हम अमेरिका से डील के बेहद करीब

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने को लेकर जल्द ही समझौता होने वाला है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने सरकारी टीवी से बातचीत में कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना और ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाना शामिल है। हालांकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत बातचीत बाद में होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने ईरान पर होने वाले नए हमले रद्द कर दिए हैं, क्योंकि बातचीत में बड़ी प्रगति हुई है और जल्द ही समझौते पर दस्तखत हो सकते हैं। शुक्रवार को ईरानी मीडिया में 14 पॉइंट वाले समझौते की खबरें भी सामने आईं। हालांकि ट्रंप ने इन रिपोर्टों को गलत बताते हुए कहा कि इन शर्तों का असली समझौते से कोई नाता नहीं है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता के डॉक्यूमेंट (MOU) पर सहमति बन चुकी है और अब सिर्फ अंतिम मंजूरी बाकी है। पाकिस्तान और कतर इस पूरी बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने कहा कि देश की सुप्रीन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में इस समझौते को लेकर अलग-अलग राय हैं। कुछ लोग इसके पक्ष में हैं तो कुछ विरोध में। इसलिए अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। अगर मंजूरी मिलती है तो समझौते पर ऑनलाइन साइन किए जाएंगे।

60 दिन परमाणु कार्यक्रम पर होगी बात

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, समझौते के बाद सबसे पहले होर्मुज स्ट्रेट खोला जाएगा और ईरानी जहाजों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी हटाई जाएगी। इसके बाद 60 दिनों तक परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत होगी। इस दौरान ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार को नष्ट करने और देश से बाहर ले जाने की योजना पर काम किया जाएगा।

अमेरिका ने साफ किया है कि ईरान को कोई पैसा या आर्थिक राहत पहले से नहीं दी जाएगी। प्रतिबंधों में ढील और जमी हुई संपत्तियों की रिहाई स्टेप बाय स्टेप होगी। यानी ईरान जितनी शर्तें पूरी करेगा, उसे उतना ही आर्थिक लाभ मिलेगा।

हिज्बुल्लाह की मदद रोकने की शर्त

समझौते में यह भी कहा गया है कि ईरान को हिज्बुल्लाह और क्षेत्र के अन्य सहयोगी सशस्त्र समूहों को सहायता देना बंद करना होगा। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह समझौता सिर्फ वादों पर नहीं, बल्कि वास्तविक कार्रवाई और उसकी जांच पर आधारित होगा। अमेरिका, ईरान, पाकिस्तान और कतर सभी इस समझौते को लेकर सकारात्मक दिख रहे हैं, लेकिन अभी अंतिम मंजूरी बाकी है।

इधर डील की तैयारी, उधर ईरान ने यूरेनियम भंडार के रास्ते किए बंद, रास्तों पर माइंस बिछाईं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीत जल्द ही शांति समझौता होने वाला है। इससे पहले ईरान ने अपने पास मौजूद लगभग आधा टन हाईली एनरिच्ड यूरेनियम को और ज्यादा सुरक्षित करने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के मुताबिक, ईरान ने उन सुरंगों को जानबूझकर ध्वस्त कर दिया है, जहां यह यूरेनियम रखा गया है। साथ ही सुरंगों के एंट्री पॉइंट्स पर बारूद भी बिछा दी गई हैं। सूत्रों का कहना है कि अब इस यूरेनियम तक पहुंचना पहले की तुलना में कहीं ज्यादा मुश्किल, खतरनाक और समय लेने वाला हो गया है।

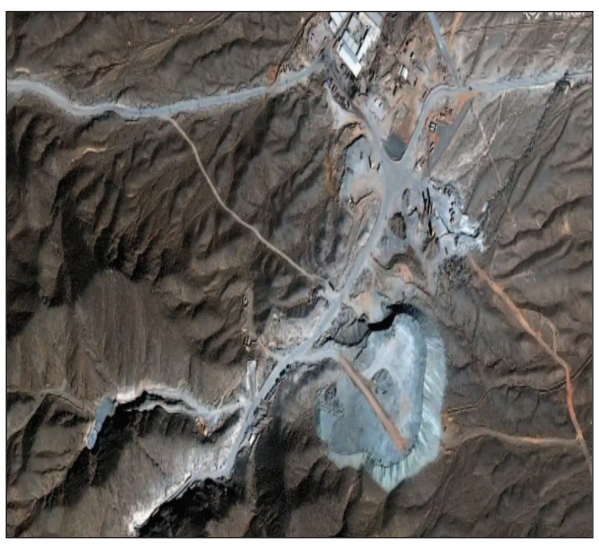

CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब डोनाल्ड ट्रंप संकेत दे चुके थे कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका इस परमाणु सामग्री को अपने कब्जे में लेने के लिए सैन्य कार्रवाई कर सकता है। ईरान और अमेरिका के बीत युद्ध खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने को लेकर बातचीत चल रही है। इसी बातचीत में ईरान के संवर्धित यूरेनियम को हटाने और नष्ट करने का मुद्दा भी शामिल है। हालांकि ईरान का कहना है कि डील पर साइन होने के बाद 60 दिनों तक परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत होगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अब इस यूरेनियम को निकालना खुद ईरान के लिए भी आसान नहीं होगा। इसके लिए भारी खुदाई मशीनों, सुरंगों को खोलने और बारूदी सुरंगों को हटाने की जरूरत पड़ेगी। यह काम काफी जोखिम भरा माना जा रहा है। पूर्व अमेरिकी न्यूक्लियर एक्सपर्ट स्कॉट रोएकर का कहना है कि यदि यह जानकारी सही है तो यूरेनियम को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालना और उसकी जांच करना बहुत कठिन हो जाएगा। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि ईरान भविष्य में यह दावा कर सकता है कि कुछ यूरेनियम तक पहुंचना संभव नहीं है, जिससे उसके परमाणु भंडार की पूरी जांच मुश्किल हो सकती है।

कहां छिपा रखा है यूरेनियम?

इंटरनेशनल कम्युनिटी का मानना है कि यूरेनियम का ज्यादातर हिस्सा मध्य ईरान के इस्फहान न्यूक्लियर फैसिलटी की ध्वस्त सुरंगों में रखा गया है। कुछ सामग्री अन्य ठिकानों पर भी हो सकती है। मई में अमेरिका ने इस सामग्री को कब्जे में लेने के लिए सैन्य अभियान पर विचार किया था, लेकिन जोखिम ज्यादा होने के कारण इसे मंजूरी नहीं दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आने वाले दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच समझौता हो भी जाता है, तब भी यूरेनियम को हटाने और नष्ट करने की प्रक्रिया में काफी समय लगेगा। ट्रंप पहले कह चुके हैं कि इस काम को पूरा करने में कम से कम दो हफ्ते लग सकते हैं।

अमेरिका का वेनेजुएला में हमला, सबसे खतरनाक गैंग के सरगना को मार गिराया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के कुख्यात गैंग ट्रेन डी अरागुआ के सरगना हेक्टर रस्टेनफोर्ड गुरेरो फ्लोरेस उर्फ नीनो गुरेरो को मार गिराया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी दी। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिकी सेना की दक्षिणी कमानने एक तेज और घातक सैन्य कार्रवाई की, जिसमें नीनो गुरेरो को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन वेनेजुएला सरकार के साथ मिलकर किया गया।

ट्रंप ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें एक इमारत पर हमला होता और उसमें आग लगती दिखाई दे रही है। हालांकि, इस दावे पर अभी तक व्हाइट हाउस, पेंटागन और अमेरिकी दक्षिणी कमान की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ट्रंप ने कहा कि ट्रेन डी अरागुआ के आतंकियों के लिए अब वेनेजुएला या दुनिया में कहीं भी सुरक्षित जगह नहीं बची है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसे अपराधियों और ड्रग माफियाओं को दुनिया के किसी भी कोने से ढूंढ़ निकालेगा। अमेरिका पहले ही ट्रेन डी अरागुआ को एक आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। नीनो गुरेरो पर न्यूयॉर्क की संघीय अदालत में कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। उस पर आपराधिक साजिश, ड्रग तस्करी, हिंसा, जबरन वसूली और आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने जैसे आरोप थे। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस गैंग का अपराध नेटवर्क उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और यूरोप तक फैला हुआ था। अमेरिकी विदेश विभाग ने गुरेरो की गिरफ्तारी या उसके बारे में जानकारी देने वाले के लिए 50 लाख डॉलर (लगभग 48 करोड़ रुपए) तक का इनाम भी घोषित किया था।

ट्रेन डी अरागुआ के बारे में

ट्रेन डी अरागुआ वेनेजुएला का सबसे बड़ा और सबसे ताकतवर आपराधिक गिरोह माना जाता है। इसकी शुरुआत अरागुआ राज्य की टोकोरोन जेल से हुई थी। धीरे-धीरे यह जेल गैंग एक अंतरराष्ट्रीय अपराध संगठन बन गया। वेनेजुएला से बड़ी संख्या में लोगों के पलायन के दौरान इस गैंग ने अपने नेटवर्क को दूसरे देशों तक फैलाया। इसके गिरोह कोलंबिया, पेरू और चिली जैसे देशों में भी सक्रिय हो गए। इन पर हत्या, अपहरण, मानव तस्करी, ड्रग तस्करी और उगाही जैसे अपराधों के आरोप हैं। सितंबर 2023 में वेनेजुएला सरकार ने करीब 11,000 पुलिसकर्मियों और सैनिकों के साथ टोकोरोन जेल पर बड़ा अभियान चलाया था।

“भगवंत मान का दोबारा सीएम बनना तय...” बठिंडा रोड शो में केजरीवाल का बीजेपी-अकाली पर भी हमला

बठिंडा। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सीएम भगवंत मान के साथ बठिंडा में मेगा रोड शो किया और नगर निगम चुनाव में पार्टी को शानदार जीत दिलाने के लिए जनता का धन्यवाद किया। रोड शो में उमड़ी लोगों को देखकर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवंत मान सरकार के चार साल के काम से पंजाब की जनता बेहद खुश है। हमें पूरा विश्वास है कि 2027 में भगवंत मान का दोबारा मुख्यमंत्री बनना तय है।

उन्होंने कहा कि पंजाब में अब तक जितने भी सीएम बने, सब पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, लेकिन भगंवत मान पर एक पैसे का आरोप नहीं है। अगर भगवंत मान या सरकार के मंत्रियों पर एक भी आरोप लगा होता तो मोदी सरकार रोज ईडी-सीबीआई की रेड कराती। इस अवसर पर आप पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया समेत तमाम वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे।

पंजाब में 4 पार्टियां हैं, केजरीवाल का तंज

रोड शो के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हमारी सरकार के चार साल पूरे होने पर जनता के चेहरों पर इतनी खुशी है कि देखकर दिल खुश हो गया। हम राजनीति में काम करने आए थे और यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि चार साल बाद भी जनता हमारा काम पसंद कर रही है। एक तरह से बठिंडा में शानदार जीत दिलाकर जनता ने हमारे अच्छे काम पर मोहर लगाई है। रोड शो में लोगों की झलकती खुशी से साफ पता चलता है कि आज जनता मौजूदा सरकार से बहुत खुश है।

अरविंद केजरीवाल ने इस दौरान विपक्षी दलों पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि आज पंजाब में चार पार्टियां हैं। एक पार्टी है जिसे लोग गुस्से से चिट्टा पार्टी कहते हैं। उनके समय में खूब चिट्टा बिकता था और उन्होंने घर-घर में चिट्टा पहुंचा दिया था। लोग उस पार्टी को नफरत से बेअदबी पार्टी भी कहते हैं, क्योंकि उनके समय में खूब बेअदबी हुई थी। दूसरी पार्टी झगड़ा पार्टी है, जिसके सारे नेता आपस में लड़ते रहते हैं। तीसरी पार्टी ईडी पार्टी है, जो ईडी की धमकी देती है और लोगों के पीछे ईडी लगाती है। चौथी पार्टी आम आदमी पार्टी है, जो जनता की अपनी पार्टी है और लोगों के लिए काम करती है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चर्चा है कि अब फरवरी के बजाय नवंबर में ही चुनाव होंगे। चुनाव में बस चार महीने रह गए हैं। अब हम सबको मिलकर एक ही काम करना है। भगवंत मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना है। पंजाब में पिछले 75 साल में कई मुख्यमंत्री और मंत्री आए, लेकिन भगवंत मान जितना ईमानदार कोई नहीं आया। आज तक जितने भी मुख्यमंत्री आए, उन सभी पर घोटाले करने और पैसे खाने के आरोप लगे। उनके परिवारों और मंत्रियों पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे।

झाड़ू के पक्ष में बहुत बड़ा जनादेश-मान

वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भी बठिंडा में आम आदमी पार्टी का मेयर बनाने के लिए जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि इतनी भयानक गर्मी के बावजूद लोग वोट डालने निकले और जब वोटों की पेटियां खुलीं, तो उन्होंने आम आदमी पार्टी और झाड़ू के पक्ष में बहुत बड़ा जनादेश दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी क्लीनिक खुल गए हैं, शानदार स्कूल-अस्पताल बन गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के बच्चे अब मुश्किल से मुश्किल टेस्ट पास कर रहे हैं। खेतों के लिए दिन में बिजली आ रही है और टीलों तक नहर का पानी पहुंचा दिया गया है। यही बातें असली आनंद देती हैं। बाकी दोनों-तीनों पार्टियां आपस में समझौता करती फिर रही हैं। सुनाम में 23 में से 19 सीटें आम आदमी पार्टी ने जीती हैं। वहां भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल तीनों मिलकर लड़े थे, लेकिन जनता ने तीनों का सूपड़ा साफ कर दिया और सब पर झाड़ू फेर दिया। भगवंत सिंह मान ने बताया कि इस बार जो धान लग रही है, वह पहली बार नहरों के पानी से लग रहा है। किसान जितना मर्जी पानी इस्तेमाल करें, पंजाब में पानी की कोई कमी नहीं है। भाखड़ा डैम अपने औसत स्तर से 16 फुट ऊपर चल रहा है। अगर हम रोज खुला पानी भी छोड़ें, तब भी कई दिनों तक डैम में पानी की कोई कमी नहीं होगी। आने वाले समय में खेतों के लिए पानी हमेशा भरपूर रहेगा।

डीआरडीओ ने दिखाई भारत की अगली पीढ़ी की रक्षा ताकत, बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस और एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। डीआरडीओ ने देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने वाली कई अहम तकनीकों का सफल प्रदर्शन किया है। 10 और 11 जून 2026 को लगातार तीन सफल फ्लाइट टेस्ट किए गए, जिनमें लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों से सुरक्षा और मध्यम दूरी की एंटी-शिप क्षमता का प्रदर्शन शामिल रहा। डीआरडीओ ने बताया कि भारत की मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) प्रणाली का सफल परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट किया। ये सिस्टम नई तकनीकों के साथ विकसित किया गया है ताकि भविष्य के उभरते मिसाइल खतरों का मुकाबला किया जा सके। इन सफल परीक्षणों के साथ भारत अब उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है जिनके पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) स्तर के खतरों को रोकने की क्षमता मौजूद है। इसके अलावा डीआरडीओ ने नेवल एंटी-शिप मिसाइल-मीडियम रेंज (NASM-MR) का पहला फ्लाइट टेस्ट भी सफलतापूर्वक पूरा किया। यह मिसाइल समुद्र में दुश्मन के युद्धपोतों और नौसैनिक लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम मानी जा रही है। इन परीक्षणों को डीआरडीओ और सशस्त्र बलों के सीनियर अधिकारियों ने देखा। रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ को इन महत्वपूर्ण तकनीकों के सफल प्रदर्शन पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धि भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता को नई मजबूती देगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ चेयरमैन ने भी परीक्षणों की करीब से निगरानी की। उन्होंने डीआरडीओ वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। इन सफल परीक्षणों से भारत की रणनीतिक रक्षा क्षमता और समुद्री सुरक्षा दोनों को बड़ा बल मिलेगा। नौसेना एंटी-शिप मिसाइल-मीडियम रेंज के पहले उड़ान परीक्षण के दौरान मध्यम दूरी पर एंटी-शिप रक्षा का प्रदर्शन किया गया।

वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर जारी, भारत की पहली 2000 करोड़ी फेक फिल्म में होगा फुल धमाल, गांववालों को बचाने निकली अक्षय की आर्मी

वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर वाईआरएफ स्टूडियो में एक बड़े इवेंट में लॉन्च किया गया। यह फिल्म वेलकम फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त है। यह अपनी बड़ी स्टार कास्ट की वजह से पहले ही चर्चा में है। अब, ट्रेलर के बारे में नई जानकारी ने अक्षय कुमार की इस कॉमेडी फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है।

अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, टेंशन दूर, जंगल का पागलपन शुरू। आपकी सारी चिंताएं दूर करने के लिए आ गया है जबरदस्त स्ट्रेस-बस्टर वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर। वेलकम टू द जंगल – सिनेमाघरों में हंगामा शुरू होगा 26 जून से। वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर 4 मिनट 10 सेकंड का है, जिसमें कॉमेडी, अफरातफरी और कन्फ्यूजन का एक जबरदस्त मिक्स देखने को मिला है। इसकी शुरुआत इंडिया की फर्स्ट 2000 करोड़ी फेक फिल्म से होती है। इसके बाद फिल्म की पूरी कास्ट के अनोखे इंट्रोडक्शन सॉन्ग से होती है। इसके बाद परेश रावल अक्षय कुमार के किरदार से परिचय कराते हैं। अक्षय पहले टॉप के हीरो होते है, लेकिन बाद में वह फ्लॉप के हीरो बन जाते हैं।

ट्रेलर में पता चलता है कि वेलकम के मशहूर किरदार उदय और मजनू के भाई भी है, जिसका किरदार सुनील शेट्टी और अरशद वारसी निभाते हैं। एक फिल्म बनाने के लिए अक्षय कुमार और सारी टीम एक छत के नीचे आते हैं।इसमें वेलकम फिल्म के मशहूर मजनू भाई वाले सीन की झलक भी दिखाई गई है, जिसे अनिल कपूर ने निभाया था और जो फैंस का पसंदीदा पल था- वो था- मजनू भाई की पेटिंग।

इसके बाद परेश वाले बताते हैं कि वे एक फिल्म बना रहे हैं, जो आर्मी पर आधारित है। इसके लिए सभी ट्रेनिंग दी जाती है। इस बीच लारा दत्ता चाबुक चलाती दिखती हैं। ट्रेलर में एक गांव दिखाया जाता है, जहां के लोग गांव को आजाद कराने के लिए आर्मी का इंतजार करते हैं। फिल्म की शूटिंग उनके गांव में होता है। गांव वालों को लगता है कि असली आर्मी उनके गांव को आजाद कराने आई है।

इसके बाद जैकी श्रॉफ की एंट्री होती है, जो विलेन का किरदार निभाते हैं। वह अपने डाकूओं के साथ गांव में घुसते हैं और गोलीबारी करते हैं। इस दौरान अक्षय कुमार और उनकी पूरी स्टार कास्ट को उनके सामने गिड़गिड़ाते हुए नजर आता है।

अक्षय कुमार इस ट्रेलर के अहम हिस्सा है। लंबे समय बाद अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी का एक साथ आना भी ट्रेलर की सबसे चर्चित बातों में से एक है। तीनों एक्टर्स अपनी पुरानी वाली केमिस्ट्री को फिर से दिखा रहे हैं, जिससे हेरा फेरी में उनकी मशहूर तिकड़ी की यादें ताजा हो गई है। इस फिल्म में कई बड़े कलाकार हैं। अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, रवीना टंडन, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीस, लारा दत्ता, जैकी श्रॉफ, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और दलेर मेहंदी जैसे कई कलाकार शामिल हैं। अहमद खान के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 26 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धुरंधर 2 का वर्ल्डवाइड क्लोजिंग बॉक्स ऑफिस, अपने नाम किए 5 बड़े रिकॉर्ड, बनी रणवीर की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 अब ओटीटी पर भी स्ट्रीम हो रही है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड अपना रन पूरा कर लिया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। फिल्म ने मेकर्स की झोली में खूब पैसा भरा। इस स्पाई थ्रिलर को अब फैंस घर बैठे ओटीटी पर एंजॉय कर रहे हैं।

रिपोर्ट् के मुताबिक, फाइनल अपडेट के हिसाब से फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1186.32 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन किया। फिल्म 12 हफ्तों तक बॉक्स ऑफिस पर पैसों की बारिश करती रही। फिल्म के हिंदी वर्जन ने नेट 1110.12 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं बाकी का 76.2 करोड़ तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा से आया। फिल्म 225 करोड़ के बजट में बनी थी। फिल्म ने 961.32 (427 परसेंट) करोड़ का प्रॉफिट कमाया। फिल्म 2026 की सबसे ज्यादा प्रॉफिट कमाने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म ने ग्रॉस 1399.85 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म सुपरडुपर हिट है। फिल्म में संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, राकेश बेदी जैसे स्टार्स हैं। फिल्म के पहले पार्ट में अक्षय खन्ना थे, जिन्हें काफी पसंद किया गया था।

धुरंधर 2 ने बनाए ये मेजर रिकॉर्डः फिल्म रणवीर सिंह और आदित्य धर के करियर की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है।इंडिया में हाईएस्ट गॉसिंग फिल्म ऑफ ऑल टाइम, हिंदी सिनेमा में हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म, सेकंड हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म वर्ल्डवाइड, सेकंड हाईएस्ट ग्रॉसिंग इंडियन ग्रॉसर ग्लोबली। बता दें कि पहले हफ्ते में फिल्म ने 690 करोड़ कमाए थे। दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 271 करोड़ का बिजनेस किया। तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 120 करोड़, चौथे हफ्ते में 58 करोड़, पांचवें हफ्ते में 20.63 करोड़, छठे हफ्ते में 12.5 करोड़, सातवें हफ्ते में 5.54 करोड़, आठवें हफ्ते में 3.89 करोड़, नौवें हफ्ते में 2.19 करोड़, दसवें हफ्ते में 1.45 करोड़, 11वें हफ्ते में 82 लाख और 12वें हफ्ते में 15 लाख कमाए।

अभिनेत्री नियति फातनानी का खुलासा, खतरों के खिलाड़ी के प्रोमो के बाद हुई थी ट्रोलिंग

अभिनेत्री नियति फातनानी ने कहा है कि रियलिटी शो के दौर में कई बार मशहूर हस्तियों की बातों को संदर्भ से अलग करके देखा और परखा जाता है। फातनानी ने खतरों के खिलाड़ी के दौरान अपने अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि एक प्रोमो जारी होने के बाद उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पूरा एपिसोड प्रसारित होने के बाद लोगों को वास्तविक स्थिति समझ में आई और उन्होंने उनका समर्थन किया। फातनानी ने अपने अनुभव का उदाहरण देते हुए कहा, खतरों के खिलाड़ी के दौरान जब एक प्रोमो रिलीज हुआ था, तब मुझे प्रशंसकों की ओर से काफी आलोचना झेलनी पड़ी। हालांकि, जो लोग मुझे जानते थे, उन्हें पूरा भरोसा था कि मैं कभी कुछ गलत नहीं करूंगी। एपिसोड प्रसारित होने के बाद सभी को सच्चाई पता चल गई और उन्होंने मेरा समर्थन किया। दरअसल, उस व्यक्ति को शो से बाहर कर दिया गया था। अभिनेत्री ने कहा, प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकारों के प्रति बेहद भावुक होते हैं और यह एक सेलिब्रिटी होने का स्वाभाविक हिस्सा है।

सोशल मीडिया के दौर में प्रतिभा और दृश्यता में कौन अधिक महत्वपूर्ण है, इस सवाल पर फातनानी ने कहा कि दोनों पूरी तरह अलग-अलग चीजें हैं।

उन्होंने कहा, अगर कोई कलाकार प्रतिभाशाली है और अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो निर्देशक और निर्माता उसे भूमिका के लिए

चुनेंगे। दूसरी ओर, व्यावसायिक नजरिए से यदि किसी परियोजना को दृश्यता से फायदा मिलता है, तो प्रभावशाली सोशल मीडिया हस्तियों को भी कास्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया आज मनोरंजन उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को छिपाने का दबाव महसूस किया है, तो उन्होंने इससे इनकार किया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह रिश्ते में शामिल लोगों पर निर्भर करता है। यदि दोनों साथी सहज हैं, तो बाकी किसी बात का कोई खास महत्व नहीं रह जाता।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com